{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 31 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 185
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	71,947.55
निफ्टी	-	22,331.40
सोना	-	1,48,260
चांदी	-	2,45,000
डॉलर	-	94.39

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बीओबी पर लगाया पांच साल का प्रतिबंध मप्र सरकार ने 24 घंटे में लिया वापस

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 1,751 करोड़ के फंड के कुप्रबंधन के आरोपों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा पर लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को 24 घंटे के अंदर वापस ले लिया है। 27 मार्च 2026 को जारी आदेश को बैंक द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट करने के बाद 28 मार्च को निरस्त कर दिया गया और सरकारी लेनदेन बहाल कर दिए। बैंक पर आरोप था कि उसने सरकारी निर्देशों के अनुसार 1,751 करोड़ की राशि को सही सरकारी खाते में स्थानांतरित नहीं किया, जिससे प्रशासनिक नुकसान हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंक की ओर से प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किए जाने के बाद राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध हटा लिया है। पहले आदेश में बैंक को सभी सरकारी विभागों और निकायों से पांच साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया था। यह तेजी से लिया गया निर्णय सरकार की ओर से एक संभावित परिचालन चूक या संचार की कमी को दर्शाता है।

एक्टर की समुद्र में डूबने से मौत

बालासोर। बंगाली सिनेमा के एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की हादसे में मौत हो गई। वह ओडिशा के तलसरी समुद्र तट पर टीवी शो 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग कर रहे थे, तभी डूब गए। इस हादसे में उनकी को-एक्ट्रेस श्वेता मिश्रा की जान बच गई। जांच में सामने आया कि प्रोडक्शन टीम ने न तो इजाजत ली थी और न ही प्रशासन को जानकारी दी थी। एक्टर की मौत पर बालासोर के एसपी ने बताया कि तलसरी पुलिस को दीघा पुलिस से सूचना मिली कि एक बंगाली अभिनेता की मौत हो गई और शव दीघा अस्पताल में है। जांच में पता चला कि शाम करीब 5:30 बजे राहुल बनर्जी और श्वेता मिश्रा शूटिंग के दौरान घुटने तक पानी में डांस कर रहे थे, तभी गड्ढे में गिर गए। टीम उन्हें तुरंत अस्पताल ले गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

किसान नेता राकेश टिकैत की ओडिशा में गिरफ्तार

नई दिल्ली । किसान नेता राकेश टिकैत की ओडिशा में गिरफ्तारी के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में माहौल अचानक गर्म हो गया है। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने इस कार्रवाई के विरोध में मुजफ्फरनगर जिले के कई थानों पर धरना शुरू कर दिया है और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। टिकैत ने अपनी गिरफ्तारी का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ओडिशा के किसान 22 मार्च 2026 से अपनी मांगों को लेकर पैदल मार्च करते हुए राजधानी भुवनेश्वर पहुंचे थे, जहां एक सभा प्रस्तावित थी।

कुछ ना कहना

लोकसभा में नक्सलवाद पर अमित शाह का सख्त संदेश

जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा...

गृह मंत्री बोले-बस्तर में नक्सलवाद लगभग खत्म, विकास से बदली तस्वीर

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान सोमवार को नक्सलवाद के मुद्दे पर हुई चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा कि 'जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा।' उन्होंने देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम का उल्लेख करते हुए दावा किया कि छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अब नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और वहां विकास की नई धारा बह रही है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की अनुमति देने के लिए स्पीकर ओम बिरला के प्रति आभार जताया और कहा कि 1970 से 2026 तक की घटनाओं की श्रृंखला पर चर्चा देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से यह मुद्दा व्यापक बहस से दूर रहा, जबकि इससे देश के हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। गृह मंत्री शाह ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर के गांवों में स्कूल खोलने, राशन की दुकानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और गैस चूल्हों के वितरण जैसी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। शाह ने सवाल उठाया कि जो लोग पहले नक्सलवाद का समर्थन करते थे, उन्होंने इन बुनियादी सुविधाओं के लिए पहले प्रयास क्यों नहीं किए।

31 मार्च तक उन्मूलन का रखा गया था लक्ष्य

नक्सलवाद के कारण हुए नुकसान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस हिंसा में लगभग 20 हजार युवाओं की जान गई और कई लोग दिव्यांग हो गए। उन्होंने इसे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि संसद को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। अमित शाह ने नक्सलवाद को केवल विकास की कमी का परिणाम मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह एक विचारधारा से प्रेरित समस्या है, जिसे समय के साथ बढ़ावा मिला और इसका विस्तार हुआ। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री शाह ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय किए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में तेजी से काम हुआ है।

लोकसभा में नियम 193 के तहत इस विषय पर चर्चा की शुरुआत शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने की थी, जिसके बाद अन्य सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया और अब शाम को गृह मंत्री ने विस्तृत जवाब दिया। अपने जवाब में केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले 12 राज्यों और आदिवासी समुदायों की ओर से वे इस चर्चा के लिए आभार व्यक्त करते हैं। शाह के अनुसार, इन क्षेत्रों के लोग लंबे समय से चाहते थे कि उनकी समस्याएं संसद में उठें और देश तथा दुनिया के सामने वास्तविक स्थिति सामने आए। गृह मंत्री शाह के लोकसभा में दिए गए इस आशय के बयान के बाद नक्सलवाद पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज होने की संभावना है, खासकर तब जब सरकार ने इसके पूर्ण उन्मूलन के लिए सख्त समयसीमा तय कर रखी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही।

पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवत: इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके।

श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस अन्य राज्यों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ भी समन्वय स्थापित कर रही है ताकि उन सभी स्थानों का विवरण जुटाया जा सके जहाँ आरोपी द्वारा धमकियां भेजी गई थीं।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर लोन दिल्ली में गिरफ्तार

साल 2007 में भी हुई थी गिरफ्तारी, दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार करने की साजिश

नई दिल्ली। राजधानी में सुरक्षा एजेंसियों को तक एक बड़ी सफलता हाथ लगी, जबकि सोमवार को दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कथित आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि वह भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एक व्यापक नेटवर्क तैयार कर रहा था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है, कि शब्बीर अहमद लोन बांग्लादेश में बैठकर अपने नेटवर्क का संचालन कर रहा था और भारत के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में युवाओं की भर्ती की योजना बना रहा था। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह पूरा नेटवर्क आईएसआई के इशारों पर काम कर रहा था, जो भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश का हिस्सा है।

एक खुफिया जानकारी अनुसार इस मामले में पहले से ही गतिविधियां तेज थीं। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने 26 मार्च को कश्मीर के तीन जिलों गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर में शब्बीर से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन तलाशी अभियानों में कई अहम सुराग हाथ लगे, जिनसे इस आतंकी मॉड्यूल के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन उजागर हुए हैं। सीआईके से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया है कि यह नेटवर्क एक ट्रांजैक्शनल सिस्टम के जरिए संचालित हो रहा था, जिसमें बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स सीधे निर्देश दे रहे थे। फंडिंग और कम्युनिकेशन के लिए भी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा था।

सुरक्षा एजेंसियां पिछले दो महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे हुए थीं। खुफिया इनपुट के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रैक की गई और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन - केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित बाधाओं को देखकर केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब राशन की दुकानों (पीडीएस) के पारंपरिक दायरे से बाहर निकलकर केरोसिन (मिट्टी का तेल) देश के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर मिलेगा। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है। मोदी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के कठोर नियमों में 60 दिनों की विशेष ढील दी है। इस नई नीति के तहत व्यवस्था कुछ इस प्रकार होगी। प्रत्येक जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंपों का चुनाव करेगा। इन्हीं पंपों के माध्यम से केरोसिन का भंडारण और वितरण किया जाएगा। इन चिह्नित पेट्रोल पंपों को अधिकतम 5,000 लीटर तक केरोसिन का स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। केरोसिन बांटने वाले एजेंटों और डीलरों को फिलहाल लाइसेंस लेने की अनिवार्य प्रक्रिया से छूट दी गई है। साथ ही, टैंकरों से तेल उतारने (सप्लाई) के नियमों को भी सरल बनाया गया है।

यह निर्णय मुख्य रूप से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में जारी युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए घरेलू बाजार में किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए सरकार ने अभी से एहतियाती कदम उठाए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के भीतर ईंधन की कोई किल्लत नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सभी भारतीय रिफाइनरियां अपनी शीर्ष क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। प्रतिदिन औसतन 55 लाख से अधिक सिलेंडर डिलीवर किए जा रहे हैं। ऑनलाइन गैस बुकिंग का आंकड़ा 94 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिससे वितरण में पारदर्शिता आई है। घरेलू उपभोक्ताओं को शत-प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है, जबकि औद्योगिक और कमर्शियल सेक्टर को उनकी औसत खपत का 80 प्रतिशत आवंटित किया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को अतिरिक्त 4.80 करोड़ लीटर केरोसिन आवंटित किया है ताकि एलपीजी की मांग को जरूरत पड़ने पर संतुलित किया जा सके। साथ ही, सिटी गैस कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे होटल और कमर्शियल संस्थानों में पीएनजी कनेक्शन का विस्तार करें। मोदी सरकार ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें। कुछ राज्यों में घबराहट के कारण पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गई हैं, लेकिन प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि सप्लाई चेन पूरी तरह सुरक्षित है।

1 अप्रैल से शुरू होगा जनगणना का काम

नई दिल्ली। 1 अप्रैल को जनगणना का पहला चरण शुरू होने वाला है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने कहा है कि जातिगत गणना इस प्रक्रिया के दूसरे चरण के दौरान की जाएगी, जिसे जनसंख्या गणना के नाम से जाना जाता है। दरअसल, रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय जनगणना की दोहरी संरचना का विस्तार से वर्णन किया। इसमें पहला चरण आवास सूचीकरण और जनगणना, आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और घरेलू संपत्तियों पर केंद्रित है, जो कि दूसरे चरण के लिए एक आधार प्रदान करता है। जनसंख्या के दूसरे चरण में जनसांख्यिकीय, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक मापदंडों पर डेटा प्रदान करता है, जिसमें प्रवासन और प्रजनन दर शामिल हैं। मृत्युंजय कुमार ने कहा कि जनगणना के दूसरे चरण के दौरान जाति गणना की जाएगी। जनगणना की शुरुआत 1 अप्रैल से स्व-गणना के साथ होगी। इसके बाद 16 अप्रैल से नामित गणनाकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या सूचीकरण अभियान चलाया जाएगा। पहले चरण को अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच पूरा करना है। जनगणना 2027 में 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, 784 जिले, 5,127 वैधानिक शहर, 4,580 जनगणना शहर और 6,39,902 गांव शामिल होंगे।

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ. प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना

की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें।

हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया।

ऐकला चलो रे की रणनीति, कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी का कहना है कि वह बंगाल की सभी 294 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ ही पश्चिम बंगाल के लिए प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी इस बैठक में थे जिन्होंने बाद में कहा कि कांग्रेस बंगाल में एक भी सीट खाली नहीं छोड़ेगी। यही वजह है कि कांग्रेस ने ममता बनर्जी के भवानीपुर से प्रदीप प्रसाद को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के दो महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में बहरामपुर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी और टीएमसी की पूर्व राज्यसभा सांसद मौसम नूर को मालदा के मालतीपुर से उम्मीदवार बनाया है।यहां पर याद दिलाना जरूरी है कि पश्चिम बंगाल से कांग्रेस के एकमात्र सांसद मालदा दक्षिण से ईशा खान चौधरी हैं जो मौसम नूर के चचेरे भाई भी हैं।दोनों पश्चिम बंगाल के कांग्रेस के बड़े नेता रहे अब्दुल गनी खान चौधरी के परिवार से आते हैं। पिछले 20 सालों में कांग्रेस कभी तृणमूल तो कभी वामदलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती रही है मगर अब कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों वाले राज्यों में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।एक वक्त था जब 1950 के बाद से 1977 तक कमोबेश कांग्रेस का ही मुख्यमंत्री रहा, फिर ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य 2011 तक मुख्यमंत्री रहे और तब से लेकर ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं। 2016 में कांग्रेस के पास 44 विधायक थे जो 2021 में तेजी से घटकर एक रह गया। उनका वोट प्रतिशत भी 3 प्रतिशत रह गया था। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पश्चिम बंगाल में पार्टी को पुनर्जीवित करने की लंबी प्रक्रिया की तरफ ये पहला कदम है, जहां हम ऐकला चलो रे की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने पर लोकसभा में हंगामा

वित्त मंत्री निर्मला बोलीं- भारतीय रुपया बेहतर प्रदर्शन कर रहा, मोदी दुनिया के सबसे पॉपुलर नेता

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरते वैल्यू को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इसपर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। हमारा फिस्कल डेफिसिट कंट्रोल में है। विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत है। उन्होंने कहा विपक्ष का देश की कृषि और लोगों की मेहनत को कमतर दिखाना सही नहीं है। जरूरी है कि हम लोगों की मेहनत के साथ खड़े रहें। देश और जनता की मेहनत को कमजोर बताना गलत सोच है।

वहीं, यूपी के आजमगढ़ से समाजवादी

पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात सुनता है, लेकिन रुपए की वैल्यू में लगातार गिरावट से उनकी लोकप्रियता घट रही है। इस पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि दो महीने पहले हुए एक ग्लोबल सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दुनिया के सभी नेताओं से ज्यादा रही। विपक्ष के हंगामे के बीच उन्होंने कहा कि जब जवाब दिया जा रहा हो, तो उसे सुनना चाहिए।

वित्त मंत्री बोलीं- आईबीसी बिल से दिवाला प्रक्रिया मजबूत होगी

लोकसभा में इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) बिल पर जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इसपर 40 सदस्यों ने अपनी बात रखी है। हम यह बिल भारत में दिवाला प्रक्रिया के ढांचे को मजबूत करने के लिए ला रहे हैं। 2016 से अब तक के अनुभवों को इस बिल में शामिल किया गया है।

धर्म की बात करने वाले प्रधानमंत्री सबरीमाला विवाद पर क्यों हैं खामोश

तिरवनंतपुरम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के पतनमतिट्टा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बीजेपी और एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला से जुड़े विवादों पर चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा उठाते हुए वामपंथी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंदिर की संपत्ति और पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि अयप्पा मंदिर के सोने

को बदलकर पीतल रख दिया गया, जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और एलडीएफ के बीच कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रभाव में केरल की एलडीएफ सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, जो लोग बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन पर हमले होते हैं और उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

पुस्तक मेला फिर हुआ फ्लॉप, उद्देश्य पूरा करने में नाकाम रहा आयोजन

दुसरे दिन तक सूना रहा आयोजन, न अभिभावक पहुंचे न विक्रेता, विभाग के दावों पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। निजी स्कूलों में पुस्तक, कॉपी और गणवेश को लेकर अभिभावकों से अधिक कीमत वसूलने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन द्वारा व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से स्थानीय सीएम राइज स्कूल में पुस्तक मेले का आयोजन बीते कुछ वर्षों से किया जा रहा। इसका उद्देश्य अभिभावकों को उचित दरों पर पुस्तकें और गणवेश उपलब्ध कराना था, लेकिन यह मेला अपने मकसद को पूरा करने में असफल साबित हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में न तो अपेक्षित संख्या में अभिभावक पहुंचे और न ही पुस्तक विक्रेताओं ने इसमें विशेष रुचि दिखाई। पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी मेले में सन्नाटा पसरा रहा। सीमित संख्या में ही स्टॉल लगाए गए और अधिकांश स्थान खाली नजर आए। गौरतलब है कि निजी स्कूलों द्वारा पुस्तक और गणवेश की बिक्री में मनमानी रोकने के लिए इस मेले का आयोजन किया गया था, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके। लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव और कमजोर व्यवस्थाओं के चलते यह प्रयास प्रभावी साबित नहीं हो सका। हालांकि शिक्षा विभाग इस आयोजन को सफल बता रहा है, लेकिन जमीनी स्थिति इससे अलग नजर आई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि इसी तरह योजनाओं का क्रियान्वयन होता रहा, तो आमजन को राहत कैसे मिल पाएगी।

स्कूली बच्चों को उचित दर पर पुस्तकें, गणवेश और स्टेशनरी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा 29 से 30 मार्च तक स्थानीय सीएम राइज स्कूल में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेला इस वर्ष भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। दोनों ही दिन यह मेला अपने मूल उद्देश्य से भटकता नजर आया और व्यवस्थाओं की कमी तथा प्रचार-प्रसार के अभाव के चलते आयोजन पूरी तरह फीका साबित हुआ। मेले की शुरुआत के साथ ही जिस उत्साह और भीड़ की उम्मीद की जा रही थी, वह कहीं नजर नहीं आई। पहले दिन सुबह से ही मेले में सन्नाटा पसरा रहा। विभागीय अधिकारियों ने यह उम्मीद जताई थी कि दूसरे दिन अभिभावकों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन दूसरे दिन भी हालात में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। गिने-चुने अभिभावक ही अपने बच्चों के साथ पहुंचे, जबकि अधिकांश समय मेले का माहौल खाली-खाली ही बना रहा।

स्टॉलों की कमी और अधूरी तैयारी आई सामने

शिक्षा विभाग द्वारा जहां 20 से 25 पुस्तक और गणवेश स्टॉल लगाए जाने का दावा किया गया था, वहीं हकीकत में दोनों ही दिनों में केवल 3 से 4 पुस्तक विक्रेता ही नजर आए। दूसरे दिन भी यही स्थिति बनी रही। कई स्थानों पर तो केवल विक्रेताओं के नाम के फ्लेक्स और बैनर लगे दिखाई दिए, लेकिन न तो दुकानदार मौजूद थे और न ही वहां कोई सामग्री उपलब्ध थी। जो विक्रेता पहुंचे भी, वे सीमित स्कूलों की किताबें ही लेकर आए थे, जिससे अभिभावकों को अपनी जरूरत के अनुसार पुस्तकें नहीं मिल सकीं।

प्रचार-प्रसार के अभाव ने बिगाड़ा पूरा गणित

इस मेले की असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण व्यापक प्रचार-प्रसार का अभाव माना जा रहा है। जानकारी के अभाव में न तो शहर के अधिकांश अभिभावक मेले तक पहुंच सके और न ही ग्रामीण क्षेत्रों व ब्लॉक स्तर से अपेक्षित भागीदारी देखने को मिली। बताया जा रहा है कि यह मेला जिला स्तर पर आयोजित किया गया था, ताकि दूर-दराज के क्षेत्रों के अभिभावक भी लाभ उठा सकें, लेकिन प्रचार-प्रसार की कमी के चलते ग्रामीण अंचलों तक इसकी जानकारी ही नहीं पहुंच पाई। परिणामस्वरूप वहां से कोई खास भागीदारी नहीं रही।

विक्रेताओं की भी कम रही रुचि

विक्रेताओं ने भी इस मेले में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। सीमित संख्या में स्टॉल लगने और ग्राहकों की कमी के कारण कई विक्रेताओं ने दूरी बनाए रखी। जो विक्रेता पहुंचे भी, उन्होंने केवल औपचारिकता निभाने के लिए स्टॉल लगाए, जिससे मेले का उद्देश्य और भी प्रभावित हुआ।

विभाग का दावा और जमीनी हकीकत में अंतर

जब इस पूरे मामले को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार उपाध्याय से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि विभाग का उद्देश्य निजी स्कूलों में पुस्तकों और गणवेश को लेकर होने वाली मनमानी पर रोक लगाना है और उसी दिशा में यह मेला आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि पहले दिन भीड़ कम रही, लेकिन दूसरे दिन अच्छी संख्या में अभिभावक पहुंचे और मेला सफल रहा। हालांकि, मौके पर मौजूद स्थिति विभागीय दावों के विपरीत नजर आई। मेले में न तो अपेक्षित भीड़ दिखी और न ही वैसी गतिविधियां, जैसा दावा किया जा रहा था। इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या विभाग इस तरह के आयोजनों की वास्तविक स्थिति को स्वीकार कर सुधार की दिशा में कदम उठाएगा या फिर कागजी दावों तक ही सीमित रहेगा।

पिछले वर्ष की स्थिति भी रही थी समान

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी इसी स्थान पर आयोजित पुस्तक मेला अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाया था। इसके बावजूद इस वर्ष भी उसी ढर्रे पर आयोजन किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पिछले अनुभवों से कोई ठोस सीख नहीं ली गई।

03 स्थानों में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन निर्माण के लिए 18 करोड रुपए की राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बालाघाट जिले के बैहर क्षेत्र में 03 स्थानों पर हायर सेकेण्डरी भवन निर्माण के लिए लगभग 18 करोड रुपए की राशि मंजूर की गई है। इन भवनों के निर्माण के लिए कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जनजातीय कार्य विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था। इन भवनों का निर्माण मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एवं अधोसरंचना विकास निगम द्वारा किया जाएगा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरी के भवन निर्माण के लिए 06 करोड रुपए की राशि मंजूर की गई है। इसी प्रकार शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर के लिए 06 करोड रुपए एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर के भवन निर्माण के लिए 06 करोड रुपए की राशि मंजूर की गई है। इन हायर सेकेण्डरी भवनों के निर्माण के लिए एजेंसी निर्धारित कर दी गई है और शीघ्र ही उनका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इन तीनों हायर सेकेण्डरी स्कूल के भवन जर्जर हो गए है और इनमें कठिनाईयों के बीच पढाई का कार्य कराया जा रहा है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा इन भवनों के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कर दी जाने से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र के छात्र छात्राओं को अध्ययन के लिए अच्छी सुविधा एवं अच्छा वातावरण मिलने लगेगा। छात्र छात्राओं की समस्याओं को देखते हुए कलेक्टर द्वारा जनजातीय कार्य विभाग को भवन निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे शासन द्वारा स्वीकृत कर लिया गया है।

परसवाड़ा में अवैध मिट्टी उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, जेसीबी सहित 8 ट्रैक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की परसवाड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम हर्राभाट में अवैध मिट्टी उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। ग्रामीणों से प्राप्त शिकायत के आधार पर प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और अवैध खनन करते पाए जाने पर 1

जेसीबी मशीन एवं 8 ट्रैक्टरों को जब्त किया। यह कार्रवाई एसडीएम श्रीश प्यासी की उपस्थिति में नायब तहसीलदार सुश्री पूर्णिमा भगत के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम द्वारा की गई। जांच के दौरान पाया गया कि बिना अनुमति के मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों को जब्त कर लिया गया। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अवैध उत्खनन के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए क्षेत्र में चल रही अवैध गतिविधियों पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग की है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0060/ड-154/2025-26
मौजा छिंदलई., रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशाराम पिता नेतलाल जाति पंवार, निवासी ग्राम छिंदलई, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा छिंदलई, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता नेतलाल पिता दशाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 03.07.1999 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम छिंदलई के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 31.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत गारापुरी

जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्रमांक/क्यू/2026 — दिनांक 30.03.2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत गारापुरी में वित्तीय वर्ष 2026-27 में जीरामजी (मनरेगा), 5 वां, 15 वां वित्त आयोग, स्वकराधान मद , स्वँछ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, गौंण खनिज मद, स्टांप शुल्क एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 07/04/2026 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत गारापुरी में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

सामग्री- सीमेंट, लोहा, गिट्टी, सीमेंट पाइप, लोहा पाइप, टीन, मिट्टी, मुरम, रेत, ईट, मिक्सर मशीन, खीले तार, वाइब्रेटर मशीन, पॉलीथीन, थर्माकॉल, रोलर, वॉशबेसिन नल सहित, पेंटिंग कार्य, गद्दू(पेपर ब्लॉक), नल जल योजना हेतु पाइप, कुर्सी, टेबल, स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री,वाटर हारवेस्टिंग से संबंधित सामग्री, एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत), पी.वी.सी पाइप 10 फीट, एंगल नट बोल्ट सहित, सेट्रिंग, तार, खीला, आईल, पेंट, दरी, आलमारी, कूलर, लैपटाप, कम्प्युटर सामग्री, टंकी, स्टेशनरी क्रय, नल-जल संधारण की सामग्री, पौधा क्रय, पंडाल व्यवस्था, मिष्ठान, जेसीबी मशीन, ट्रेक्टर ट्राली, परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

रविन्द्र मानकर, सरपंच — श्रीमती ममता कारसर्पे, उपसरपंच — लकेश खरे, सचिव
मुकेश कटरे- सहायक सचिव
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत गारापुरी जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट

द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स (अंग्रेजी माध्यम) का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला, द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स (अंग्रेजी माध्यम) चांगोटोला का मप्र राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित 5वीं व 8वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम अत्यंत शानदार रहा। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

कक्षा 5वीं में याचना सोनवे (95.5प्रतिशत), तनिषी कंगाले (93.25प्रतिशत), हेमाक्षी नामदेव (92.25प्रतिशत), आहना खोबरागड़े (90.75प्रतिशत), हिमानी चौहान (90प्रतिशत), तनिषी हनवते (88प्रतिशत),

कौशिकी चक्रवर्ती (87.75प्रतिशत), लिखित जैन (87.75प्रतिशत), पाली बिसेन (87.25प्रतिशत), दीपांशु शांडिल्य (86प्रतिशत), संभवी कुमारी (85प्रतिशत), पार्थ गौतम (84प्रतिशत), वंश अग्रवाल (83.75प्रतिशत), याची सोनवाने (83.75त्न), सुमित कुमार एडे (82.25प्रतिशत), परिधि बघेल (81.25प्रतिशत), मानसी उइके (80.5प्रतिशत), ध्रुवराज (80.5प्रतिशत), अदिति पंचेश्वर (80.25प्रतिशत), अरल बघेले (80प्रतिशत), वेद बसेने (78.75प्रतिशत), नूपुर उइके (78.5प्रतिशत), विराट बसेने (76.5प्रतिशत), स्वरा जायसवाल (76.25प्रतिशत), शिभ्य (76.25प्रतिशत), नमन बसेने (74.75प्रतिशत), रक्षित (73.75प्रतिशत), निहाल बघेले (73.5प्रतिशत), माघी गौतम (71प्रतिशत) एवं स्पर्श (51.5प्रतिशत) ने अच्छे अंक प्राप्त किए।

इसी प्रकार कक्षा 8वीं में एनुल शेख (94.67प्रतिशत), पार्थ पटले (88.83प्रतिशत), वेदिका कंसरे (88.66प्रतिशत), टिजल पात्रे (88त्न), सुनिधि तराम (87.83प्रतिशत), नूपुर पारधी (86.66प्रतिशत), नाज़मीन शाह (86.33प्रतिशत), रियांश मातरे (86.33प्रतिशत), कुंजल बलरी (85.66त्न), सृष्टि ठाकरे (85.33प्रतिशत), आकर्ष असाटी (85.16प्रतिशत), प्रिंस गौतम (84.16प्रतिशत), नवनीत नाग (84प्रतिशत), निकेश्वर रहांगडाले (83.66प्रतिशत), निधि कौशले (83.5प्रतिशत), माही झारिया (83.33प्रतिशत), सत्यम सिंह चौहान (82.33प्रतिशत), योगीराज मर्सकोले (81.66प्रतिशत), द्रोण दमाहे (81.16प्रतिशत), ओम सोनवाने (80.84प्रतिशत), रोनित जैन (79.83प्रतिशत), दीक्षांश (79.66प्रतिशत), वैदेही बघेले (75.33प्रतिशत), अमन झरिया (75.16प्रतिशत), अमित टेम्भरे (74.83प्रतिशत) एवं नैतिक चौहान (74प्रतिशत) ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती श्यामली हरीश नाग एवं कोऑर्डिनेटर अलवीरा शाह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समस्त शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।विद्यालय प्रबंधन ने इस शानदार परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

दो दिनों बाद किरनापुर की नल-जल व्यवस्था हुई बहाल

विद्युत विभाग ने काट दी थी पंचायत के नल जल की बिजली

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर की नल जल व्यवस्था दो दिनों बाद पुन: सुचारू रूप से बहाल कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार को विद्युत विभाग द्वारा ग्राम पंचायत किरनापुर की नल जल योजना के बिजली कनेक्शन ग्राम पंचायत द्वारा 15 लाख 57 हजार रूपए का बिजली बिल का भुगतान नही किए जाने के कारण काट दिए थे। जिसके चलते ग्रामवासियों को पेयजल सहित निस्तार के लिए पानी नहीं मिलने के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। तथा नल नहीं आने से लोगों को पानी के लिए इधर उधर भटकने के लिए पसीना बहाना पड़ रहा था।वही पूरे किरनापुर नगर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ था। जिसके चलते सोमवार को ग्राम पंचायत द्वारा तत्काल पंचायत की आवश्यक बैठक बुलाकर पंचों से रायशुमारी करइस भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण नागरिकों की मांग पर ग्राम पंचायत किरनापुर द्वारा पंचायत के खाते की बचत राशि जो कि ग्राम के अन्य विकास कार्यों में उपयोग की जानी थी। उस राशि से नल जल योजना का बिजली बिल जमा कर ग्रामीण जनता को पानी उपलब्ध करवाए जाने की व्यवस्था की गई।चूंकि दो दिन शनिवार एवं रविवार को लगातार अवकाश रहने के कारण ग्राम पंचायत द्वारा इस अवधि मे बिजली बिल जमा नहीं करवाया जा सकता था। जिसे सोमवार को कार्यदिवस पर शीघ्रता से गंभीरता पूर्वक लेकर जमा करवाया गया है। इस संबंध मे ग्राम पंचायत किरनापुर के सचिव नरेन्द्र डहरवाल एवं ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि जे पी रामटेके ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणजन समय पर यदि नल जल योजना एवं पंचायतों के अन्य बकाया करो का भुगतान करते रहते तो शायद ऐसी परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। और नल जल योजना सुचारू रूप से बनी रहती। लेकिन आगे इस तरह की नौबत नहीं आने पाएं इस बाबद सभी लोगों से समय पर एवं प्रतिमाह अपने पंचायत के बकाया करो का भुगतान अविलंब जमा करने का आव्हान ग्रामीण नागरिकों से किया है। वही बिजली बिल की कुछ राशि जमा करने पर सोमवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा नल जल योजना का बिजली कनेक्शन पुन: जोड़ दिया गया है। तथा समाचार लिखे जाने तक तीनों पानी टंकीयो को भरने का क्रम भी शुरू कर दिया गया है। तथा ग्राम के नागरिकों को मंगलवार सुबह से सुचारू रूप से पानी उपलब्ध होने लगेगा। ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच धर्मकला भाई जे पी रामटेके ने समस्त नागरिकों से निवेदन किया है कि सभी अपने बकाया बिलों को शीघ्र ग्राम पंचायत में जमा कर देवें तथा जिससे उन्हें आगे इस भीषण गर्मी मे आने वाली समस्या से छुटकारा भी मिल सके।

कोचेवाड़ा आंगनवाड़ी से निर्मला साकुरे की भावुक विदाई- सेवा के 26 वर्ष हुए पूरे

पद्मेश न्यूज। लामता। ग्राम कोचेवाड़ा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्मला साकुरे के सेवानिवृत्त होने पर सोमवार को गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अपने जीवन के 26 गौरवशाली वर्ष बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा के लिए समर्पित करने के बाद, उनकी विदाई पर पूरे केंद्र और ग्रामीणों की आँखें नम हो गईं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों और सहयोगियों ने निर्मला साकुरे के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने केवल एक कर्मचारी के रूप में नहीं, बल्कि एक अभिभावक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। कोचेवाड़ा के सैकड़ों बच्चों को उनके हाथों से प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार मिले हैं। वक्ताओं ने कहा कि उनके 26 वर्षों के निस्वार्थ परिश्रम ने केंद्र को एक नई पहचान दी है।विदाई की बेला में सहकर्मियों ने बताया कि निर्मला साकुरे का व्यवहार हमेशा मिलनसार और सहयोगात्मक रहा। गाँव की महिलाओं और बच्चों के साथ उनका जुड़ाव इतना गहरा था कि आज उनकी विदाई के समय हर किसी को उनकी कमी महसूस हो रही है।समारोह के अंत में उन्हें श्रीफल, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।वही ग्रामवासियों और आंगनवाड़ी स्टाफ ने उनके सुखद, स्वस्थमय, व सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ और उनके परिजन उपस्थित रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भरवेली पुलिस ने महज 06 घंटो में किया चोरी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के पास से जप्त की गई 17 लाख रु की ज्वेलरी, 3 टीमो ने रात भर चलाया सर्च आपरेशन, नाकाबंदी कर की सघन चेकिंग, दैनिक खर्चे व जरूरतों को पूरा करने, गांव के ही सुने घर को बनाया था निशाना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भरवेली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 6 घंटे के भीतर चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा किया है।जहा बीती रात भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में सुने मकान का ताला तोड़कर सोने चाँदी के जेवरातों की चोरी करने वाले मामले में पुलिस ने गांव के ही 2 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से करीब 17 लाख रुपये की कीमती ज्वेलरी भी बरामद की है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता और सतर्कता की सराहना हो रही है। वही मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों के स्वास्थ्य की जांच कराकर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों में इनका शमावेश

चोरीं के इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने गांव के ही दो आरोपी ग्राम पाथरवाड़ा निवासी 29 वर्षीय अनिल बसेने और 30 वर्षीय मंगल लिल्हारे को गिरफ्तार किया है। जहां पुलिस ने आरोपी अनिल बसेने के कब्जे से चोरी किया गया सोने के रानीहार, सोने के झुमके, सोने की नथ, सोने की मनी, चांदी की करधन, चांदी की पायल, चाँदी के बिछिया, चांदी की अंगूठी, चांदी की चेन एवं चाँदी की ज्वेलरी के टूटे अन्य टुकड़े, बरामद किए तो वही दूसरे आरोपी मंगल लिल्हारे के कब्जे से पुलिस ने चोरी की ज्वेलरी में से सोने का नेकलेस, सोने के झुमके, सोने का मंगलसूत्र, सोने का छोटा लॉकेट, सोने के बाले, सोने की मनघटी, चांदी की पायल, चाँदी की करधन,चाँदी की बिछिया,चाँदी की कटोरी,और चांदी के पायल के कुंदे सहित अन्य आभूषण बरामद किए गए हैं। कुल जब्ती की कीमत लगभग 17 लाख रुपये आंकी गई है।

रिश्तेदारी में सरेखा गया था कुलप्रकाश का परिवार, आरोपियों ने ताले तोड़कर की चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम पाथरवाडा निवासी कुलप्रकाश नगपुरे, 29 मार्च रविवार की शाम ,घर मे ताला लगाकर, अपने परिवार के साथ ग्राम सरेखा में, रहने वाले रिश्तेदार के घर गए थे।जिनके सूने मकान को निशाना बनाकर गांव के ही अनिल बसेने और मंगल लिल्हारे ने, उनके घर मे तीन जगहों पर लगे ताले तोड़कर 17 लाख रु कीमत के सोने चांदी जेवरात पार दिए।बताया गया कि कुलप्रकाश जब रात्रि करीब 10:30 बजे, सरेखा से वापस अपने घर पाथरवाड़ा आए तो घर के पीछे,एंव घर के अंदर के सभी दरवाजे के ताले टूटे हुए थे।वही बेडरूम की आलमारी भी खुली हुई थी।जिन्हें घर मे चोरी का आभास हो गया।जहां चोरों ने घर मे घुसकर सोने चांदी के जेवरात,व कुछ नगदी चोरी करने का आभास होते ही उन्होंने मामले की जानकारी तत्काल भरवेली पुलिस को दी।जहा मौके पर पहुची पुलिस ने फिरयादी कुलप्रकाश की शिकायत पर,अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध बीएनएस धारा 306(ए), और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर, मामले की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी।जहा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर रात्रि में ही 3 टीम का गठन कर जगह जगह नाकाबंदी कर सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।और महज 6 घण्टे के भीतर उक्त चोरी में शामिल गांव के ही मंगल लिल्हारे, और अनिल बसेने को गिरफ्तार कर, चोरी के आभूषण जप्त किए है।

3 टीमों ने संभाला मोर्चा, रातभर चला सर्च ऑपरेशन

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन अलग-अलग टीमों का गठन किया। इन टीमों ने रातभर लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। संदिग्धों की तलाश में आसपास के क्षेत्रों में दबिश दी गई, साथ ही प्रमुख मार्गों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान भी चलाया गया।पुलिस की इस रणनीति का असर जल्द ही दिखा और संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

गांव के ही निकले आरोपी, जरूरतों के लिए किया अपराध

उन्होंने आगे बताया कि पूछताछ में यह सामने आया कि दोनों आरोपी उसी गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने दैनिक खर्चे एवं अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों को घर की स्थिति और आसपास की गतिविधियों की पूरी जानकारी थी, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने सूने मकान को निशाना बनाया था।

17 लाख की ज्वेलरी बरामद, आगे की जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की गई करीब 17 लाख रुपये की ज्वेलरी बरामद कर ली है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।भरवेली पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से न सिर्फ चोरी का जल्द खुलासा हुआ, बल्कि पीडित परिवार को बड़ी राहत भी मिली है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत किए जाने की बात कही गई है। ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

पुलिस जांच में सामने आया कि गांव के ही आरोपीं होने के चलते उन्हें पहले से जानकारी थी कि घर के सदस्य बाहर गए हुए हैं।और घर मे कहा सोने चांदी के जेवरात रखे है। इसी का फायदा उठाकर उन्होंने सब्बल औजार से घर के पीछे दरवाजों के ताले तोड़े और घर में घुसकर अलमारी से जेवरात व नकदी पार कर दी थी।

आपस में दोस्त हैं दोनों आरोपी-मयंक तिवारी

नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया।उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं उनके मार्गदर्शन में पुलिस ने 3 विशेष टीमों का गठन किया और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर सघन चेकिंग शुरू कर दी। साथ ही पुराने अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की गई।रात के सर्च अभियान के दौरान दुर्गा चौक के पास दो संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। उन्होंने आगे बताया कि दोनों आरोपी आपस में दोस्त है, जिन्होंने दैनिक खर्चों व शौक को पूरा करने के लिए चोरी करने की बात स्वीकार की है। वही जेवर चोरी करने के बाद आभूषणों को उन्होंने अलग-अलग जगह पर छुपाकर रखा गया था, उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों पर पूर्व में मारपीट का एक - एक मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि आरोपी मंगल फरियादी कुलप्रकाश नगपुरे का परिचित था,उसका आना जाना कुलप्रकाश के घर लगा रहता था।उसे घर मे ज्वेलरी रखे होने की पूरी जानकारी थी, जिसने अपने साथी अनिल बसेने के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था।इस कार्यवाही में थाना निरीक्षक भूपेन्द्र पन्द्रो, उपनिरीक्षक सोमलाल कावरे, सुरेश नागेश्वर सहित पुलिस टीम के अनेक अधिकारियों और जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की तत्परता और सफलता की सराहना की है।

महावीर स्वामी का है संदेश- अहिंसामय हो अपना देश

अहिंसा और शांति का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे नन्हे कदम; बच्चों ने निकाली विशाल साइकिल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान महावीर के 2625वें महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में जैन समाज द्वारा रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है।इसी कड़ी में सोमवार 30 मार्च को श्री पार्श्वनाथ जैन महिला मंडल बालाघाट के नेतृत्व में समाजिक बच्चों द्वारा नगर में एक भव्य साइकिल अहिंसा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी के माध्यम से समाज में जियो और जीने दो तथा अहिंसा परमो धर्म के संदेश को प्रसारित करना था।रैली का शुभारंभ दोपहर 4:30 बजे भगवान महावीर अहिंसा द्वार कालीपुतली चौक से हरी झंडी दिखाकर किया गया।रैली में लगभग एक सैकड़ा से अधिक छोटे एवं बड़े बच्चों ने अपनी साइकिल के माध्यम से रैली निकाली।उनकी साइकिलों पर अहिंसा, शाकाहार और पर्यावरण संरक्षण के नारों वाली तख्तियां लगी हुई दिखाई दी।पूरी रैली के दौरान महावीर स्वामी का है संदेश—अहिंसामय हो अपना देश और जियो और जीने दो के जयघोष से आकाश गूंज उठा।बच्चों ने यातायात नियमों का पालन करते हुए कतारबद्ध होकर पूरे शहर का भ्रमण किया। साइकिल रैली के उपरांत आयोजकों द्वारा इस रैली में शामिल बच्चों को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।आयोजक संस्था में श्री पारसनाथ जैन महिला मंडल बालाघाट की अध्यक्षा श्रीमती यामिनी चौरडिया ने बताया, भगवान महावीर के सिद्धांत आज के समय में और भी प्रासंगिक हो गए हैं। जब बच्चे इन संदेशों को लेकर निकलते हैं, तो समाज पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। हम चाहते हैं कि बच्चे बचपन से ही करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलना सीखें। वही मंडल की सचिव श्रीमती मेघा सेठिया ने कहा कि यह रैली निकालने का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सामाजिक एकता, सद्भाव एवं समरसता का भाव जन जन तक पहुंचना था। बच्चों द्वारा जब अहिंसा के अग्रदूत श्री महावीर स्वामी के संदेश जियो और जीने दो हमें अहिंसा पथ पर आगे चलने का मार्ग प्रशस्त करता है।साइकिल रैली समापन पर सभी प्रतिभागी बच्चों को पारितोषिक और स्वल्पाहार वितरित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महावीर जन्मकल्याणक संस्था के सभी सदस्यों एवं जैन धर्मालंबियों का विशेष योगदान रहा।इस दौरान पार्श्वनाथ जैन महिला मंडल बालाघाट के सभी सदस्यों के साथ सकल जैन समाज के वरिष्ठ अजय लूनिया ,अभय सेठिया ,वीरेंद्र जैन बलवंत खजांची , अतुल वैद्य, भागचंद जी नहर ,महावीर जन्मकल्याणक मोहत्सव समिति के अध्यक्ष आदित्य सेठिया, श्री पार्श्वनाथ जैन महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती यामिनी चौरडिया , सचिव मेघा सेठिया , कोषाध्यक्ष मनीषा खजांची, मंडल की प्रमुख कार्यकारणी सदस्य श्रीमती रेखा बैद, संचल चोपड़ा, सरिता चोपड़ा, पूजा मुथा, डॉ. प्राची सुराणा, दीप्ति बोथरा, पिंकी शाह, अनीशा सुराणा, डॉली सुराणा, प्रणिता बाघरेचा, मीनल सिंगी आदि सदस्य गण उपस्थिति रहे।

भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में मरीज हो रहे परेशान, नही मिल पा रही राहत

अस्पताल प्रबंधन ने वार्डो में अब तक नही किए कूलर के इंतेजाम, मरीजो के परिजन, वार्डो से निकलकर बरांदे में बैठने को हुए मजबूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी के बीच जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं सवालों के घेरे में आ गई हैं। तापमान 38डिग्री के पार पहुंचने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजो के वार्डों में कूलर या पर्याप्त ठंडक की व्यवस्था नहीं कि गई है।जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उधर वार्डो में कूलर ना होने और लगातार बढ़ती जा रही गर्मी व तापमान के कारण अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजन हलाकान हो रहे है।खासकर बुजुर्ग, बच्चे और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की हालत और अधिक खराब हो रही है।जिससे निजात पाने भर्ती मरीजों के परिजन जहा वार्डो से बाहर निकलकर केटिंग, झाड़ के नीचे तो वही अस्पताल के बरांदे में पंखे के नीचे बैठकर राहत पाने की कोशिशों में है।फिर भी उमस भरी गर्मी के चलते उन्हें राहत नही मिल पा रही है।हालांकि अस्पताल प्रबंधन द्वारा मामले का संज्ञान लेते हुए 1-2 दिन के भीतर सभी वार्डो में कूलर की व्यवस्था किए जाने की बात कही जा रही है।यदि ऐसा हो जाता है तो निश्चित तौर पर यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिल जाएगी।

गर्म हवा फेक रहे वार्डो में लगे पंखे, मरीजो को नही मिल रही राहत

ऐसा नही है कि जिला अस्पताल में गर्मी से बचाव के लिए कोई व्यवस्था नही बनाई गई है।बल्कि जिला अस्पताल के सभी कक्ष बरांदे और सभी वार्डो में पंखों की व्यवस्था की गई है।जहां सभी सीलिंग फैन,हवा देने का भी काम कर रहे है।लेकिन तापमान अधिक होने के चलते, इन पंखों से भी राहत नही मिल रही है।यहां पर लगे पंखे,अत्यधिक तापमान के चलते गर्म हवा फेक रहे है।जिससे यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियां बढ़ गई है।जिन्हें इस गर्मी से राहत नही मिल पा रही है।

पहले गर्मी आते ही हर वार्ड में लग जाते थे कूलर

बताया गया कि हर साल गर्मी बढ़ने पर अस्पताल के सभी वार्डो में उमस व गर्मी से बचने के लिए कूलर के इंतेजाम किए जाते थे।ताकि इस भीषण गर्मी से मरीज और उनके साथ रहने वाले परिजनों को राहत मिल सके।लेकिन इस वर्ष गर्मी शुरू होने के बावजूद भी समय रहते इंतजाम नहीं किए गए,जिसका खामियाजा यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है।फिलहाल मरीज और उनके परिजन अस्पताल प्रबंधन के आश्वासन पर भरोसा कर रहे हैं, लेकिन भीषण गर्मी के बीच जल्द इंतजाम नहीं हुए तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।ऐसे में अब देखना होगा कि अस्पताल प्रबंधन कब तक व्यवस्था सुधार कर मरीजों को राहत दे पाता है।

एक दो दिन के भीतर लगा दिए जाएंगे कूलर- जैन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि अस्पताल में 150 से 200 कूलर उपलब्ध है।सभी कूलरों को निकालकर चेक किया जाएगा कि कितने कूलर शुरू है,कितनो में क्या फाल्ट है।जिंसमे सुधार की आवश्यकता होगी उनका स्टीमेट बनवाकर सुधार कार्य करवाया जाएगा।उसके निर्देश भी दिए जा चुके है।उन्होंने बताया कि अस्पताल के सभी वार्डो में कूलर लगाने की प्रक्रिया शुरू करने निर्देशित किया जा चुका है,एक दो दिन के भीतर सभी वार्डों में कूलर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

खनिज विभाग की अवैध रेत भंडारण पर की गई कार्रवाई 150 ट्रॉली रेत जब्त कर नदी में वापस डाली गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में बालाघाट जिले में अवैध खनन के खिलाफ सख्त अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में सोमवार, 30 मार्च को ग्राम भटेरा में अवैध रूप से भंडारित रेत के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की गई। जिसमें खनिज विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमार कार्रवाई करते हुए करीब 150 ट्रॉली अवैध रेत को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान नियमानुसार उक्त रेत को पुन: नदी में डलवाया गया तथा रेत को नष्ट (मटिया मेट) करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जिले में अवैध खनन और भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस सख्त कार्रवाई के बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगे भी ऐसे मामलों में बिना किसी ढिलाई के कार्रवाई जारी रहेगी।

फोर व्हीलर कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार- एक महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम हीरापुर के पास फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में बैठी एक महिला घायल हो गई। घायल महिला रोशनी पति निज्जु सोनेकर 36 वर्ष ग्राम धनसुआ थाना भरवेली निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशनी सोनेकर अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती है। नवरात्र पर्व पर रोशनी सोनेकर अपनी बहन के गांव मोरिया (लामता) गई थी। तीन दिन पहले ज्वाला विसर्जन हुआ था। 30 मार्च को रोशनी सोनेकर अपने बहन के बेटे संदीप तिलासे के साथ मोटरसाइकिल में बैठकर ग्राम मोरिया से अपने गांव धन्सुआ आ रही थी। 3:00 बजे करीब भरवेली से बैहर रोड स्थित ग्राम हीरापुर पंचायत के पास, सामने से तेज रफ्तार से आ रही फोर व्हीलर कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। फोर व्हीलर की ठोकर से रोशनी सोनेकर और उसकी बहन का बेटा संदीप तेलासे मोटरसाइकिल सहित गिर गए। हालांकि इस दुर्घटना में रोशनी सोनेकर को चोटे आई।जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया किया गया है।

महंगाई के खिलाफ एवं पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर कांग्रेस कमेटी का हल्ला बोल

कांग्रेसियों ने महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, मांगे पूरी नही होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

देश और प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई, विशेषकर रसोई गैस के दामों में वृध्दि और बिजली बिलों में की जा रही भारी बढ़ोत्तरी एवं पेट्रोल-डीजल की कमी के विरोध में सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया के तत्वाधान में तहसील मुख्यालय पर भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सभी कांग्रेसी थाना के समीप स्थित गांधी टेक में एकत्रित हुए जिसके बाद नारे लगाते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे जहां प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे-बाजी की तत्पश्चात महामहिम रा'यपाल के नाम तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर भाजपा सरकार द्वारा वस्तुओं में की जा रही बढ़ोत्तरी में कमी करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है एवं उक्त मांगे पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन करने की प्रशासन को चेतावनी भी दी है। सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा रसोई गैस के दामों में बेतहाशा वृध्दि की गई है। साथ ही बिजली के बढ़ते बिलों और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। इसलिए सरकार से मांग है कि बढ़ती कीमतों पर तत्काल लगाम लगाई जाये और जनता को राहत प्रदान करें। नही तो कांग्रेस पार्टी के द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

महंगाई बढ़ने से हर वर्ग परेशान - मनीराम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि भाजपा सरकार के राज में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है वर्तमान में गैस, बिजली, डीजल व पेट्रोल सहित अनेक आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी सरकार कर रही हैं। जिससे गरीब और आम जनता बहुत परेशान है, भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का कांग्रेस पार्टी पूरे देश में विरोध कर रही हैं। श्री भोयर ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय आव्हान पर सोमवार को कांग्रेसियों के द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार से जनता के हित में घरेलु गैस, डीजल-पेट्रोल के दाम कम करने की मांग की गई है। मांगे पूरी नहीं होती है तो कांग्रेस पार्टी चरणबध्द आंदोलन करेगी।

मांगे पूरी नही होने पर कांग्रेस पार्टी करेगी आंदोलन - भाऊराम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि देश में बढ़ती महंगाई की जिम्मेदार देश की मोदी सरकार है, वह महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम रही है। जिससे आमजन, किसान बेहद परेशान है और वर्तमान में सरकार बिजली, गैस व डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ाने की तैयारी में है जिसका कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। सरकार से मांग है कि महंगाई को नियंत्रित करे नही तो कांग्रेस पार्टी के द्वारा आंदोलन किया जायेगा जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इन्होने की मांग-

महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर मांगे पूरी किये जाने की मांग करने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, अमीनुद्दीन हन्फी, स्पसिंह उइके, पन्नालाल गौतम, दीपक तोमर, रामनाथ सोनी, नितिन साखला, अंकित एड़े, बासुदराव, ईश्वरदयाल बिसेन, तेजराम लिल्हारे, राजू मेहरबान, युगल किशोर, कमल शांडिल्य, रामधनी लानगे, मथुरा बिसेन, कमलेश पाटिल, टेकचंद बिसेन, मकसूद खान, प्रकाश, ललित बिसेन, रेकचंद बिसेन, रामेश्वर बिसेन, राजेश कटरे, प्रकाशसिंह, भोमेश्वर कोसरे, शैलेष सोनी, कोमल शेन्डे, अंकित पिपलोद, कैलाश नखाते, इमरान खान सहित अन्य कांग्रेसी शामिल है।

बंजर नदी परियोजना से बदलेगी खेती की तस्वीर

5 बड़ी सिंचाई योजनाओं पर तेज़ी से काम जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बंजर नदी परियोजना संभाग बैहर के अंतर्गत सिंचाई सुविधाओं के विस्तार एवं जल संरक्षण के लिए 05 योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

परसवाडा विकासखंड के अंतर्गत 05 करोड 85 लाख 27 हजार

रुपए की लागत से रानी जलाशय योजना पर कार्य किया जा रहा है। इससे 02 गांवों की 198 किसानों की कृषि भूमि सिंचित होगी। इस योजना की सिंचाई क्षमता 200 हेक्टेयर है। परसवाडा विकासखंड के अंतर्गत 08 करोड 40 लाख 46 हजार रुपए की लागत के मानपुर जलाशय योजना पर कार्य किया जा रहा है। 275 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता के इस योजना से 03 ग्रामों के 350 किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। परसवाडा विकासखंड के अंतर्गत 08 करोड 68 लाख 79 हजार रुपए की लागत के चनई जलाशय योजना पर कार्य किया जा रहा है। 260 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की इस योजना से 01 ग्राम के 173 किसानों को सिंचाई के पानी मिलेगा।

इसी प्रकार बैहर विकासखंड के अंतर्गत 35 करोड 97 लाख रुपए की लागत से पोला जलाशय योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस योजना से 06 ग्रामों के 515 किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। पोला जलाशय योजना की सिंचाई क्षमता 1070 हेक्टेयर है। बालाघाट विकासखंड के अंतर्गत 09 करोड 59 लाख 41 हजार रुपए लागत के पैताड नाला जलाशय योजना पर कार्य जारी है। 300 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता के इस योजना से 03 ग्रामों के 111 किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा।

बंजर नदी परियोजना की इन योजनाओं के पूर्ण होने पर 15 ग्रामों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगेगा। इससे वे खरीफ के साथ साथ रबी सीजन में भी फसलों का अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकेंगे। इन योजनाओं के पूर्ण होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि होने के साथ साथ भू-जल स्तर में भी वृद्धि होगी।

धूमधाम से मनाया गया भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव

भव्य शोभायात्रा के साथ गूंजा 'जीयो और जीने दो' का संदेश, मंदिर में हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित दिगम्बर जैन मंदिर एवं श्वेतांबर जैन मंदिर के संयुक्त तत्वाधान में 30 मार्च को भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दोनों मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की गई, साथ ही विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। जिसके बाद शाम 4 बजे भगवान महावीर स्वामी की शोभायात्रा निकाली गई जो नगर मुख्यालय, बस स्टैण्ड, हाई स्कूल मार्ग का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस शोभायात्रा में बच्चों ने नृत्य भी किया एवं रात 8 बजे महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में दिगम्बर जैन मंदिर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने बताया कि

भगवान महावीर स्वामी का 2625 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और इस जयंती के अवसर पर प्रात: से ही मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर भगवान की आराधना की गई एवं दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए और दोपहर में शर्बत का भी वितरण किया गया है। जिसके बाद शाम 4 बजे भगवान महावीर स्वामी की शोभायात्रा निकालकर नगर भ्रमण किया गया और यह रैली मंदिर पहुंची जहां पूजन अर्चन एवं प्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस जयंती के अवसर पर भगवान महावीर के जीयों और जीने दो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है और उसी मार्ग पर चलकर समाज की सेवा करना है। इस अवसर पर दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन मंदिर के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

1 अप्रैल को मनाया जायेगा प्रवेश उत्सव, स्कूलों में पहुंचने लगीं नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें

सभी विषयों की पाठ्यपुस्तकें नही आने से नवीन सत्र में पढ़ाई होगी प्रभावित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शिक्षा विभाग द्वारा आगामी 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। शासन के निर्देशानुसार पहले ही दिन छात्र-छात्राओं का स्वागत 'प्रवेश उत्सव' के रूप में किया जायेगा। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र कार्यालय के माध्यम से पाठ्य पुस्तकों के वितरण का कार्य युध्द स्तर पर जारी है।

जनपद शिक्षा केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार शासन स्तर से नये सत्र के लिए पाठ्य पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हैं। इन पुस्तकों को शासकय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में भेजी जा रही है। वहीं हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों की भी पुस्तके डीपों से बीआरसी कार्यालय में पहुंच चुकी है जिसका वितरण बीईओं के द्वारा किये जा रहे है। लेकिन प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के लिए 33 प्रतिशत ही पाठयपुस्तके आई है एवं हाई व हायर सेकेण्डरी के लिए 86 हजार पाठयपुस्तकें आना था। जिसमें से अब तक 49 हजार ही पुस्तके आई है किन्तु सभी विषयों की पर्याप्त पाठयपुस्तकें नही आने से नवीन सत्र के शुरूआती में बच्चों को पढ़ाई करने में कुछ परेशानी होगी। वहीं जनपद शिक्षा केन्द्र से पूर्व में सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं को पुस्तके भेजी जा चुकी है एवं वर्तमान में हाई

व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में भेजी जा रही है ताकि 1 अप्रैल को स्कूल खुलते ही बच्चों के हाथों में नई किताबें पहुंचे सके।

1 अप्रैल से शुरू होगी नवीन पाठ्यक्रम की पढ़ाई

शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि सत्र के पहले ही दिन से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो जाये। इसके लिए शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये जा चुके हैं। नवीन सत्र की शुरूआत उत्सव के रूप में होगी, जहां तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर बच्चों का स्कूलों में प्रवेश करवाया जायेगा। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा सत्र की शुरूआत को लेकर की जा रही इन तैयारियों से पालकों और बच्चों में भी उत्साह देखा जा रहा है। बीआरसी एवं बीईओं कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि शत-प्रतिशत बच्चों तक समय पर पुस्तकें पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि सत्र के शुरूआती दिनों से ही बच्चे अपने पाठ्यक्रम की पढ़ाई व्यवस्थित ढंग से शुरू कर सकें।

इनका कहना है-

1 अप्रैल से शिक्षा का नवीन सत्र शुरू होने वाला है और शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों के लिए सभी विषयों की पाठ्यपुस्तक हेतु 86 हजार की डिमांड भेजी गई थी। जिसमें से 49 हजार पाठ्यपुस्तके आई है किन्तु सभी विषयों की पुस्तके नही आई है। जो पुस्तके आई है उसका वितरण किया जा रहा है। 1 अप्रैल को सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जायेगा जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है।

वायआर गजभिये
बीईओं
लालबर्रा।

तेज आंधी-तूफान एवं बादल गर्जन के साथ हुई झमाझम बारिश

हाईवे पर पेड़ गिरने से आवागमन रहा बाधित, लोगों को हुई परेशानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में भीषण गर्मी और सूर्य की बढ़ती तपन के बीच सोमवार को शाम के समय मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर तक उमस और तेज धूप से परेशान लोगों को उस समय राहत मिली, जब आसमान में काले बादलों ने डेरा डाला और तेज आंधी-तूफान एवं बादल गर्जना के साथ करीब आंधे घंटे तक तेज बारिश हुई है। इस मौसमी बदलाव से जहां एक ओर तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर आंधी के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ। अचानक मौसम खराब होने एवं बारिश होने से गेंहू की फसल जो खेतों में पककर तैयार हुई है उसे नुकसान हुआ है और मौसम परिवर्तन होने से किसान गेंहू सहित अन्य दहलन फसलों को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है। अगर तेज बारिश के साथ ओले गिरते है तो किसानों को काफी नुकसान हो सकता है। जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं इस तेज आंधी व बादल गर्जना के साथ हुई बारिश के कारण हाई स्कूल मार्ग पर स्थित फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों की दुकानों के पाल-परदे भी क्षतिग्रस्त हो गये जिससे उन्हे काफी नुकसान हुआ है। साथ ही अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश ने वैवाहिक कार्यक्रमों में भी खलल डाल दिया है।

हाईवे पर धराशायी हुआ विशालकाय आम का पेड़, बड़ा हादसा टला

मौसम के इस बदले मिजाज का सबसे ज्यादा असर बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पावर हाउस के समीप पर देखने को मिला। तेज हवाओं के झोंके को सहन न कर पाने के कारण सड़क किनारे स्थित एक विशालकाय आम का पेड़ अचानक बीच सड़क पर धराशायी हो गया। पेड़ गिरने से हाईवे का मार्ग पूरी तरह से अवरूध्द हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और जाम की स्थिति निर्मित हो गई। वहीं जिस वक्त तेज आंधी-तूफान में जो पेड़ गिरा, उस दौरान उस स्थान से कोई नही गुजर रहा था, अगर वाहन एवं पैदल आने-जाने वाले लोग आवागमन करते रहते और विशालकाय आम का पेड़ टूटकर सड़क पर गिरता तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। लेकिन इस दौरान मार्ग सुनसान था जिसके कारण कोई भी वाहन एवं आमजन इसकी चपेट में नहीं आया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पेड़ गिरने की आवाज सुनकर वाहन चालकों ने समय रहते अपनी गाड़ियां रोक लीं, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जन-धन की हानि की सूचना नहीं है। वहीं हाईवे मार्ग पावर हाउस के समीप पेड़ गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पंचायत के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद विशालकाय पेड़ की टहनियों को काटकर सड़क से किनारे किया गया। जिसके बाद करीब एक घंटे से बाधित आवागमन को सुचारू रूप से पुन: प्रारंभ करवाया जा सका और लोगों का आवागमन शुरू हो चुका है।

उमस से मिली राहत

नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गत दिवस से तेज धूप एवं उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान है और सोमवार को अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं शाम 4 बजे के बाद तेज आंधी-तूफान व बादल गर्जना के साथ करीब आंधे घंटे तक बारिश हुई है। वहीं बारिश शुरू होने के शुरूआती कुछ मिनटों में तो लोगों को ठंडक का एहसास हुआ, लेकिन जैसे ही बारिश थमी, वातावरण में नमी बढ़ने से भारी उमस शुरू हो गई। किन्तु शाम हो जाने एवं ठंडा मौसम के साथ ही रूक-रूक कर रिमझिम बारिश होने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है।

तेज आंधी-तूफान में विशालकाय पेड़ हुआ धराशायी - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि सोमवार को अचानक मौसम बदलने एवं बारिश के साथ आई तेज आंधी-तूफान चलने यानि की हवाओं के दबाव को हाईवे मार्ग स्थित विशालकाय आम का पेड़ सहन नहीं पाया और अचानक सड़क के बीचों-बीच टूटकर गिर गया। जिस समय पेड टूटकर धराशायी हुआ उस समय वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। श्री खान ने बताया कि पेड़ हाईवे मार्ग पर गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग और डायल 112 की जानकारी दी गई और पुलिस विभाग की टीम मौके पर पहुंच एवं स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को रोका गया। वहीं सड़क के बीच में पेड़ गिर जाने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारे लग गई थी। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन व राहगीरों के सहयोग से पेड़ की टहनियों को काटकर उसे सड़क किनारे किया गया जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से प्रारंभ होगा। इस तरह से सोमवार को अचानक तेज आंधी-तूफान, बादल गर्जना के साथ हुई बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।

मोहगांव नांदी में संत शिरोमणि रविदास की जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम मोहगांव नांदी में संत शिरोमणि संत रविदास जयंती एवं प्रतिमा का लोकार्पण समारोह के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन करते हुए संत रविदास की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मातृशक्ति एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष रूप से भव्य बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ग्राम के देवी देवताओं एवं महापुरुषों का स्मरण करते हुए सभी को नमन किया। उन्होंने उपस्थित मातृशक्ति एवं ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास की प्रतिमा को समर्पण करने का मुझे सौभाग्य देने के लिए मैं आप

सभी का आभारी हूं। संत रविदास के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और यह उनके लिए गर्व का विषय है कि वे इस प्रयास में सहभागी बन पा रहे हैं। विधायक पारधी ने कहा कि संत रविदास ने प्रेम, समानता और भाईचारे का जो संदेश दिया। वहीं समाज को सशक्त और संगठित बनाने का आधार है। समाज को जोड़ने की भावना को मजबूत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने संगठन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब हम सब मिलकर चलते हैं तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। कार्यक्रम के दौरान यह बात विशेष रूप से सामने आई कि महापुरुषों के विचार केवल मंचों तक सीमित ना रहकर जन जन तक पहुंचें और जीवन का हिस्सा बनें। संत रविदास के द्वारा दिया गया समानता और सामाजिक समरसता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। ऐसे आयोजन समाज को जागरूक करने और नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर अमीरचंद छिपेश्वर, शंकरलाल टांडेकर, महेश बोरकर, शंकरलाल टांडेकर, प्रकाश उके,नेकेद चौहान,श्रीमती उर्मिला अशोक पटले, विषेश बिसेन, सुंदर बिन्झाडे, राजेंद्र चौहान,लोकचंद बिसेन, चैनलाल तुरकर, ,जितेंद्र भोन्डेकर,रविदास वाणी, संजय पटले ,सतीश बिंजाड़े, सुनील गोनेकर, राधेश्याम कन्नोजे, रामचंद्र मेश्राम, दलित मेश्राम, नरेंद्र मेश्राम ,टेकचंद मनघटे, राधेश्याम कनोजे, दिलीप कुभरे, घनश्याम खरोले सहित अन्य अतिथिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बनियाटोला में नल जल योजना में 5 फीट गहरे गड्ढों में उतरकर पानी भरने को मजबूर ग्रामीण

अधिकारियों के निरीक्षण के बाद भी नहीं बुझी प्यास ग्रामीणों में आक्रोश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

सरकार की हर घर जल योजना का दावा ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला में दम तोड़ता नजर आ रहा है। यहाँ नल जल योजना ग्रामीणों के लिए सुविधा के बजाय मुसीबत का सबब बन गई है। आलम यह है कि पर्याप्त दबाव नही होने के कारण ग्रामीणों को अपने घरों के सामने 5 फीट गहरे गड्ढे खोदने पडे हैं। जिनमें उतरकर वे बमुश्किल पीने का पानी जुटा पा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग द्वारा योजना के क्रियान्वयन में भारी लापरवाही बरती गई है। क्षेत्र में नई पाइपलाइन बिछाने के बजाय पुरानी जर्जर पाइपलाइन से ही कनेक्शन जोड दिए गए हैं। इसके चलते पानी का प्रेशर इतना कम है कि वह घरों के भीतर तक नहीं पहुँच पाता। स्थिति यह है कि नई पानी की टंकी बनने के बाद भी ग्रामीणों को आज भी दूर दराज के जल स्त्रोतों से पानी ढोने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने पूर्व में एसडीएम वारासिवनी और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर भी गुहार लगाई थी। शिकायतों के बाद अधिकारियों ने मौके का मुआयना तो किया लेकिन आश्वासन के सिवाय धरातल पर कोई सुधार नजर नहीं आया। अधिकारियों की उदासीनता से बनियाटोला के निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। यदि जल्द ही नई पाइपलाइन विस्तार का कार्य पूर्ण कर पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो यह दिक्कत बनी रहेगी। हमारी मांग हैं की पर्याप्त पानी नल जल योजना के माध्यम से उपलब्ध कराने योजना में आ रही समस्या का समाधान करें।

बनियाटोला में पानी की समस्या आज की नही बहुत पुरानी है-अजय गाथे

ग्रामीण अजय गाथे ने बताया कि पाइप लाइन में हमारे यहां अच्छे से पानी नहीं आ पाता है। नल जल योजना का पानी लेने के लिए हमारे द्वारा घर के सामने डायरेक्ट पाइपलाइन से छोटा कनेक्शन है और करीब 5 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया है जहां से पानी निकालते हैं। यह पुरानी पाइपलाइन है कनेक्शन बहुत नीचे है इसके लिए हमने बीच में एसडीएम का आवेदन भी लगाया था। अधिकारियों के द्वारा आकर नल जल योजना की जांच भी की गई परंतु कुछ हुआ नहीं अकेला मेरे घर कि यह समस्या नहीं है पूरे बनियाटोला में यह स्थिति है यह समस्या आज नहीं बहुत पुरानी है ,सभी को पानी की समस्या है । अभी हमारे को बाहर जाकर पानी लाना पड़ रहा है दूरी भी तय करनी पड़ रही है यह दिक्कत का विषय है क्योंकि पानी की समस्या से दूसरे कार्य बाधित होते हैं।

एक एक बाल्टी पानी के लिये तरस रहे बनियाटोला वासी-थानेंद्र सिंह राजपूत

ग्रामीण थानेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि नल जल योजना की इतनी बेकार स्थित है कि किसी घर में पांच बाल्टी पानी तो किसी घर में पानी ही नहीं आता है । सरपंच और नल जल योजना संचालक का कोई दायित्व समझ नहीं आ रहा है ऐसा लगता है कि छोड़ दिया गया है। पानी आया तो ठीक वरना नलों को देखते रहो गहराई में पानी है 5 फीट गड्ढे में उतरते हैं तब पानी मिलता है पाइपलाइन यहां पर पुरानी है पानी की टंकी नई बनी है वह भी गांव के एकदम डाउन भाग में बनाई गई है। जबकि पूरा गांव ऊंचाई पर है पानी इधर बहुत काम आता है सामने हैंडपंप है वहां से या किसी के घर से पानी लाते हैं ऐसा लगता है कि बड़ा भारी शहर होगा जो पानी की इतनी किल्लत है मैनेज कर रहे है। व्यवस्था हमेशा गड़बड़ी रहती है कई जगह पानी की मोटर भी लोग लगा लेते हैं तो पंचायत उन पर भी कोई ध्यान नहीं दे रही है और ना ही किसी की कोई जिम्मेदारी समझ आ रही है 181 पर भी हमारे द्वारा यहां शिकायत की गई है पर हुआ कुछ नहीं।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-दोनों मोटरसाइकिल में सवार दो जुड़वा भाई सहित पांच युवक घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी रोड पर स्थित नवोदय विद्यालय के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनो मोटरसाइकिल में सवार दो जुड़वा भाई सहित पांच युवक घायल हो गए। सभी घायल युवक को सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती किया गया था जहां से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जहा से अत्यधिक चोट लगने से घायल एक युवक रत्नदीप मेश्राम पिता सुरेंद्र मेश्राम 26 वर्ष को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है ।घायल दोनों जुड़वा भाई अंकित पिता भीमराव डोंगरे 27 वर्ष और अजय पिता भीमराव डोंगरे 27 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। तीनों घायल युवक ग्राम कोपे थाना वारासिवनी निवासी है। अन्य दो घायल युवक कर्तव्य पिता कृष्णा पंचेश्वर 17 वर्ष और मनीष पिता राजेंद्र नागेश्वर 24 वर्ष दोनों ग्राम महदोली थाना वारासिवनी निवासी है। दोनों का इलाज अन्य अस्पताल में किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोपे निवासी अंकित डोंगरे अपने भाई अजय डोंगरे के साथ फोटोग्राफी का भी धंधा करते हैं जिन्होंने ग्राम सरण्डी में शादी की फोटोग्राफी का आर्डर लिए थे। 29 मार्च की रात्रि अंकित डोंगरे अपने भाई अजय डोंगरे के अलावा अपने गांव के रत्नदीप मेश्राम के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम सरण्डी शादी के कार्यक्रम की फोटोग्राफी करने के लिए जा रहे। और कर्तव्य पंचेश्वर अपने साथी मनीष नागेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में कटंगी की ओर से वारासिवनी तरफ आ रहे थे। रात्रि 8ः00 बजे वारासिवनी से कटंगी रोड पर स्थित नवोदय विद्यालय के दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गए। दोनों मोटरसाइकिल की जबरदस्त भि ?त में दोनो मोटरसाइकिल में सवार दोनों जुड़वा भाई सहित पांच युवक घायल हो गए। सभी घायल को सिविल अस्पताल वारा सिवनी में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में अत्यधिक चोट लगने से घायल युवक रत्नदीप मेश्राम को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं दोनों जुड़वा भाई अंकित डोंगरे और अजय डोंगरे का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। इस दुर्घटना में अन्य मोटरसाइकिल में सवार कर्तव्य पंचेश्वर और मनीष नागेश्वर का इलाज अन्यत्र अस्पताल में किया जा रहा है। इस दुर्घटना की जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जा रही है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया महावीर जन्मोत्सव

श्री दिगंबर जैन मंदिर में हुये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव 30 मार्च को नगर में अत्यंत धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। श्री दिगंबर जैन समाज के द्वारा आयोजित इस उत्सव में सुबह से लेकर देर रात तक धार्मिक कार्यक्रमों की गूंज रही। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की गयी। श्रीजी की शोभायात्रा निकालकर मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे। जहां पर भगवान महावीर स्वामी के उपदेश बताकर नई पीढ़ी को अपने जीवन में आत्मसात करने प्रेरित किया गया। जहां धर्मलंबियों के द्वारा भाग लेकर उत्साह मनाया गया।

मुनि द्वय के सानिध्य में संपन्न हुए अनुष्ठान

दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम पूज्य मुनि श्री 108 नीरज सागर महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 निर्मद सागर महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुए। इसमें प्रात: काल मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का विधि विधान से अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात मुनि श्री नीरज सागर महाराज एवं मुनि श्री निर्मद सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता बताते हुए नई पीढ़ी को उनके आदर्शों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। वहीं भगवान महावीर के जन्म जयंती महामहोत्सव के उपलक्ष्य में संध्या बेला में संध्या काल में शाम 6 बजे से 64 रिद्धि मंत्र आराधना एवं दीप अर्चना की गयी। वहीं ख्याति प्राप्त भजन गायक विवेक जैन आगरा म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गयी। इसके बाद महाआरती कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नगर में गूंजा जियो और जीने दो का जयघोष

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक और जय स्तंभ चौक से होते हुए पुन: मंदिर पहुंची। इसमें पालकी में विराजमान भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रही। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक विवेक पटेल के द्वारा कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान महावीर का आशीर्वाद ग्रहण कर क्षेत्र के सुख शांति समृद्धि की कामना की गई।

ऐतिहासिक संध्या 64 रिद्धि मंत्र आराधना और भजन संध्या संपन्न

दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के उपाध्यक्ष दीपक जैन ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक रहा। नगर के इतिहास में यह पहला अवसर था जब मुनि द्वय के सानिध्य में 108 मढ़ने पर 108 परिवारों के द्वारा एक साथ दीप प्र'वलित कर 64 रिद्धि मंत्र आराधना की गई। संध्या काल में आगरा से आए ख्याति प्राप्त भजन गायक विवेक जैन एवं म्यूजिकल ग्रुप ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के पश्चात प्रसादी वितरण किया गया। आयोजन समिति ने इस अवसर पर समाज को भगवान महावीर के मूल मंत्र जियो और जीने दो को आत्मसात करने का संदेश दिया ताकि विश्व में शांति और अहिंसा की स्थापना हो सके।

नगरपालिका परिषद ने नये वित्तिय वर्ष के लिये पेश किया बजट

नागरिकों को राहत देते हुये किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर का भार नही किया लागू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका वारासिवनी के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर विकास को ध्यान में रख कर राशि रु 450343400 पैंतालीस करोड़ तीन लाख तिरालिंस हजार चार सौ रुपये का विकास बजट पारित किया गया है। जो नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। इस बजट को परिषद की सामान्य बैठक में सर्वसम्मती से पारित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने बताया की वित्तिय वर्ष 2026-27 की अनुमानित आय 451990937 रूपये व अनुमानित व्यय 450343400 रूपये है। जिसमें 1647537 रूपये की बचत का प्रावधान है। श्रीमती दांदरे ने बताया कि स्व' छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था एवं आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाएगा, जिससे नागरिकों को बेहतर एवं सतत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। साथ ही सड़कों एवं नालियों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का विस्तार, हरित क्षेत्र ग्रीन जोन का विकास, जल संरक्षण, स्मार्ट नागरिक सुविधाएं एवं सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्गीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य इस बजट में सम्मिलित किए गए हैं। नगर के नागरिकों को राहत देने किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर का भार लागु नही किया गया है। श्रीमती दांदरे ने कहा की हमारा लक्ष्य है कि वारासिवनी को एक स्व' छ, सुंदर, सुरक्षित एवं आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ प्रत्येक नागरिक को उ' च गुणवत्ता की मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हों। और सभी के सहयोग से हम निश्चित रूप से वारासिवनी को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएंगे। बैठक में कुछ

प्रस्ताव भी सर्वसम्मती से पारित किये गये है। जिसमें वार्ड दो में स्थित चौक का नामकरण शारदा चौक किया जाना शामिल है। वहीं सहायक राजस्व निरिक्षक राजेन्द्र बोकडे को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण संस्पैड किया गया है। इसी तरह नगर के रामपायली चौक में सडक के दोनो ओर प्रकाश व्यवस्था के कार्य के पूर्ण होने के बाद कंटगी रोड़ और लालबर्रा रोड़ पर नगर की सीमा तक सड़क के दोनो ओर प्रकाश व्यवस्था कार्य को कराने के विषय में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शिव, संदीप मिश्रा,मदन धार्मिक, पवन धूर्वे, ललिता ठाकरे, रितू खरे, धर्मु जोशी, प्रवीण डोंगरे, मोनू लिमजे, दीपा रूसिया, डाली ऐडे, आशुतोष कोहाड़ सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर से 2 अप्रैल को निकलेगी शोभायात्रा, होंगे विविध कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल शाखा के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम भक्त हनुमान महाराज का आगामी 2 अप्रैल को रामपायली के श्रीराम मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें सर्वप्रथम भगवान श्री हनुमान जी महाराज का अभिषेक पूजन एवं संगीतमय सुंदरकांड पाठ और संध्या काल में भव्य शोभायात्रा का आयोजन नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ श्री राम मंदिर पहुंचेगी। जहां महा आरती और महाप्रसादी के बाद कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। यह आयोजन प्रतिवर्ष नगर में हनुमान भक्तों के द्वारा धूमधाम से किया जाना सुनिश्चित है। इस वर्ष भी श्री राम की इस नगरी में इस उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की दिशा में राम नगरी को राम मय बनाने का भव्य आयोजन श्री राम हनुमान महाराज भक्तों द्वारा किया जा रहा है।

नपा परिषद में मनोनीत पार्षदो ने पूर्व मंत्री जायसवाल के निवास जाकर किया आभार व्यक्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रदेश सरकार के द्वारा नपा परिषद में नियुक्त किये गये मनोनीत पार्षदो की सुची में नवनियुक्त मनोनीत पार्षदो में गिरधारी चिमनानी, श्रीमती दिपलता देशमुख, मनोज लिल्हारे,मिथलेश बुरडे ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पहुंचकर मनोनयन के लिये पूर्व मंत्री

का आभार व्यक्त किया। विशेष यह भी रहा की पू'य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पद को संभालने वाले गिरधारी चिमनानी के मनोनयन पर पुरे समाज ने पूर्व मंत्री के निवास आकर अपनी खुशी का इजहार किया। मनोनीत पार्षदो ने अपने अपने वार्डो के साथ जनसामान्य की सभी तरह की समस्याओं को नपा परिषद में उठाकर समाधान तक लेकर जाने की अपनी सक्रियता को प्रदर्शित किया है।

मानवीय तबाही: सड़कों पर बिखर रहे मानव के चिथड़े ?

देश में प्रतिदिन हो रहे सड़क हादसों के कारण मानव खून से सड़कें लाल हो रही है सड़कों पर मानव के चिथड़े बिखर रहे हैं यह बहुत ही चिंतनीय है। क्योंकि सड़कों पर मौत रेंग रही है लाशों के अंबार लग रहे हैं। ताजा हादसा वीरवार को आंध्रप्रदेश के मार्कपुरम जिले मे एक बड़ा हादसा हो गया बजरी से लदे डंपर व बस की टक्कर से बस में आग लग गई और 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रुप से घायल हो गए अल सुबह सफर पर निकले लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा होग कि यह उनका आखिरी सफर होगा पल भर में जीते जागते इंसान जलकर राख में बदल गए।आकड़ों के अनुसार 3 नवंबर 2025 को राजस्थान के जयपुर व तेलंगाना के रंगारेडडी में बहुत ही भीषण हादसों में काफी लोगों की दर्दनाक मौतें होने से रौगटें खडे हो जाते हैं।जयपुर में तेज रफतार डंपर ने करीब एक दर्जन गाड़ियों को टक्कर मारी जिसमें करीब तेरह लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। तेलंगाना के रंगारेडडी में एक सड़क हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।मिटटी से भरे डंपर ने राज्य परिवहन की बस को टक्कर मार दी डंपर की मिटटी बस के अंदर यात्रियों पर गिर गई और यात्री दब गए बस में 70 यात्री सवार थे बस में जयादातर कालेज के छात्र थे। यह बस तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। बेशक प्रतिवर्ष सड़क हादसों को रोकने व सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है।देश में प्रतिदिन इतने भीषण व दर्दनाक व खौफनाक सड़क हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।देश के प्रत्येक राज्यों तथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है बेकसूर लोग बेमौत मारे जा रहे है।24 अक्तूबर 2025 की अल सुबह आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिला के चिन्नातेकुर के पास एक प्राईवेट बस व दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई बस में 44 यात्री सवार थे।18 यात्री जीवित हैं। हादसे में शव पूरी तरह जल चुके हैं उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया हे। 14 अक्तूबर 2025 को भी राजस्थान के जैसलमेर में एक बस को आग लग जाने से 22 यात्री बेमौत मारे गए थे। देश की सड़कों पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं।लाशों के अंबार लग रहे है। आंकडो के अनुसार 8 जुलाई 2019 सोमबार को उतर प्रदेश के आगरा के यमुना एक्सप्रैस वे पर एक भीषण सडक हादसे में 29 लोग की दर्दनाक मौत हो गइ थी और 23 घायल हो गए थे।यह हादसा तक हुआ जब लोग गहन निंद्रां में सोए थे।यह बस एक नाले में गिरी थी।यह बस लखनउ से दिल्ली आ रही थी।यह हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ था।सफर कर रहे लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका आखिरी सफर होगा।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।इस शाप से कब मुक्ति मिलेगी यह एक यक्ष प्रश्न है। लापरवाहियों व जानबूझकर हादसे हो रहे है।एक चालक की गलती से लोगों को मौत नसीब हो रही है।आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर है। हिमाचल के बंजार में भी एक बस हादसे में 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।अभी इस हादसे की स्याही भी नहीं सूखी थी कि1 जुलाई 2019 को जम्मू.कश्मीर के किशतवाड़ जिले में एक मिनी बस के खडड में गिरने से 35 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।28 सीटर बस में 52 लोग सवार थे।पल भर में लाशों में तब्दील हो गए।लोगों की अकाल मौत हो गई थी।

अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के मार्गदर्शक भगवान महावीर

महावीर जयंती 2026 मंगलवार, 31 मार्च, 2026 पर विशेष

महावीर जयंती 2026 मंगलवार, 31 मार्च, 2026 को मनाई जा रही है। यह त्योहार जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624वीं जयंती का प्रतीक है।भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान के रूप में पैदा हुए थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। तीर्थंकरों को अरिहंत या जिन भी कहा जाता है। भगवान महावीर इस समय के जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। दुनिया को बनाने वाले, बचाने वाले और खत्म करने वाले के तौर पर भगवान का कॉन्सेप्ट जैन धर्म में नहीं है। साथ ही, राक्षसों का नाश करने के लिए भगवान के इंसान के रूप में दोबारा जन्म लेने का आइडिया भी जैन धर्म में नहीं माना जाता है। भगवान महावीर का जन्म चैत्र महीने के उगते चाँद की तेरहवीं तारीख को, 599 क्राइ्ट. में भारत के बिहार राज्य में हुआ था। यह दिन इंग्लिश कैलेंडर के हिसाब से अप्रैल महीने में पड़ता है। उनके जन्मदिन को महावीर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। महावीर एक राजकुमार थे और उनके माता-पिता ने उनका नाम वर्धमान रखा था। एक राजा के बेटे होने के नाते, उनके पास दुनियावी सुख-सुविधाएँ और सेवाएँ थीं। लेकिन तीस साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं, और दर्द, दुख और तकलीफ़ों को खत्म करने का हल ढूंढने के लिए साधु बन गए। महावीर ने अपनी इच्छाओं, भावनाओं और आसक्तियों पर काबू पाने के लिए अगले साढ़े बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों सहित दूसरे जीवों को नुकसान पहुँचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज़ किया। वह लंबे समय तक बिना खाए भी रहे। वह सभी असहनीय मुश्किलों के बावजूद शांत और स्थिर रहे, इसलिए उन्हें महावीर नाम दिया गया, जिसका मतलब है बहुत बहादुर और हिम्मतवाला। इस दौरान, उनकी आध्यात्मिक शक्तियाँ पूरी तरह से विकसित हुईं और आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल ज्ञान या पूर्ण ज्ञान के रूप में जाना जाता है। महावीर ने अगले तीस साल नंगे पैर पूरे भारत में घूमते हुए लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्म, जीवन, दर्द, दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता है, और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्ति, निर्वाण, पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहते हैं। महावीर ने समझाया कि हमेशा से, हर जीव (आत्मा) अपनी अज्ञानता की वजह से कर्म के एटम के बंधन में है। फिर ये कर्म हमारे अच्छे या बुरे कर्मों से लगातार जमा होते रहते हैं। कर्म के असर में, आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में सुख ढूंढने की आदत हो जाती है। यही मतलबी हिंसक विचारों, कामों, गुस्सा, नफ़रत, लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ है। इनसे कर्म और जमा होते हैं। महावीर ने उपदेश दिया कि सही विश्वास (सम्यक दर्शन), सही ज्ञान (सम्यक ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक चरित्र) मिलकर ही खुद के कर्मों से मुक्ति पाने का असली रास्ता है। जैन लोगों के लिए सही व्यवहार के केंद्र में पाँच महान व्रत हैं- अहिंसा किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य सिर्फ नुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना चोरी न करना (असेत्य) जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना पवित्रता (ब्रह्मचर्य) इंद्रिय सुख में लिप्त न होना अपरिग्रह लोगों, जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना जैन लोग इन व्रतों को अपने जीवन का केंद्र मानते हैं। ये व्रत नॉन एब्सोल्यूटिज़्म (अनेकांतवाद) और रिलेटिविटी के सिद्धांत (स्याद्वाद) को माने बिना पूरी तरह से लागू नहीं किए जा सकते। साधु-सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैं, जबकि आम लोग इन व्रतों का पालन अपनी जीवनशैली के हिसाब से करते हैं। महावीर के हिसाब से आध्यात्मिक तरक्की के मामले में, पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सत्य और खुशी की तलाश में दुनिया छोड़ दी। इस तरह, जैन धर्म के सिद्धांतों को अगर सही नज़रिए से ठीक से समझा जाए और ईमानदारी से उनका पालन किया जाए, तो वे इस जीवन में संतोष, अंदरूनी खुशी और आनंद लाएंगे। यह भविष्य के पुनर्जन्मों में आत्मा को एक ऊंचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाएगा, आखिरकार पूर्ण ज्ञान प्राप्त करेगा, शाश्वत आनंद की अपनी आखिरी मंज़िल तक पहुंचेगा, और जन्म और मृत्यु के सभी चक्रों को खत्म करेगा। महावीर ने अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत, सभी तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने अनुयायियों को चार तरह के ग्रुप में बांटा, यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। इस ग्रुप को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। भगवान महावीर के उपदेश उनके करीबी शिष्यों ने आगम सूत्रों में बोलकर लिखे थे। ये आगम सूत्र मौखिक रूप से आने वाली पीढ़ियों को दिए गए। समय के साथ कई आगम सूत्र खो गए हैं, नष्ट हो गए हैं, और कुछ में बदलाव किया गया है। लगभग एक हज़ार साल बाद आगम सूत्रों को ताड़पत्री (एक पत्तेदार कागज़ जो उन दिनों भविष्य के लिए रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था) पर रिकॉर्ड किया गया था। श्वेतांबर जैन ने इन सूत्रों को उनकी शिक्षाओं का असली रूप माना है, जबकि दिगंबर जैन ने इसे असली नहीं माना। 72 साल की उम्र में (527 क्राइ्ट.), भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया और उनकी शुद्ध आत्मा ने उनका शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति प्राप्त की। वे एक सिद्ध, एक शुद्ध चेतना, एक मुक्त आत्मा बन गए, जो हमेशा पूर्ण आनंद की स्थिति में रहते थे। उनके निर्वाण की रात, लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार (दीपावली) मनाया। यह हिंदू और जैन कैलेंडर साल का आखिरी दिन है जिसे दीपावली दिवस के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म महावीर से पहले मौजूद था, और उनकी शिक्षाएं उनके पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरह, बुद्ध के उलट, महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज़्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकि, महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया। महावीर के निर्वाण के कुछ सदियों बाद, जैन धार्मिक व्यवस्था (संघ) और ज़्यादा मुश्किल होती गई। कुछ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद हुए, हालांकि उन्होंने महावीर के बताए असली सिद्धांतों पर असर नहीं डाला। बाद की पीढ़ियों ने रीति-रिवाजों की मुश्किलों को आते देखा, जिसने महावीर और दूसरे तीर्थंकरों को लगभग हिंदू देवताओं की गद्दी पर बिठा दिया। भगवान महावीर की शिक्षाओं की खास बातें- महावीर ने धर्म को आसान और नेचुरल बनाया, जो लंबे-चौड़े रीति-रिवाजों की मुश्किलों से मुक्त था। उनकी शिक्षाओं में आत्मा की अंदरूनी सुंदरता और तालमेल दिखता था। महावीर ने इंसानी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चीज़ का आइडिया सिखाया और ज़िंदगी के पॉजिटिव नज़रिए की अहमियत पर ज़ोर दिया। महावीर का अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश पूरी दुनिया के लिए दया से भरा है। महावीर ने कहा कि, एक जीवित शरीर सिर्फ़ अंगों और मांस का मेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा का घर है जिसमें शायद सही समझ (अनंत दर्शन), सही ज्ञान (अनंत ज्ञान), सही शक्ति (अनंत वीर्य), और सही आनंद (अनंत सुख) हो सकता है। महावीर का संदेश जीव की आज़ादी और आध्यात्मिक खुशी को दिखाता है। महावीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जीवित प्राणी, चाहे उनका साइज़, रूप और रूप कुछ भी हो, चाहे वे आध्यात्मिक रूप से कितने भी विकसित हों या अविकसित, बराबर हैं और हमें उनसे प्यार और सम्मान करना चाहिए। इस तरह उन्होंने सबके लिए प्यार का संदेश दिया। महावीर ने भगवान को दुनिया का बनाने वाला, बचाने वाला और खत्म करने वाला मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने देवी-देवताओं की पूजा को भी भौतिक फ़ायदों और निजी फ़ायदों का ज़रिया बताया। तीर्थंकर - वह जो धर्म के चार क्रम (भिक्षु, भिक्षुणी, आम आदमी और आम औरत) की स्थापना करता है। अरिहंत - वह जो अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार, वगैरह को खत्म कर देता है। जिन - वह जो जीतता है अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार वगैरह को खत्म करने के लिए जिन को मानने वालों को जैन कहा जाता है। महावीर का जन्म 599 क्राइ्ट. में भारत के बिहार में एक राजकुमार के तौर पर हुआ था। 30 साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, कपड़ों समेत अपनी दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं और एक साधु बन गए। अपनी इच्छाओं और भावनाओं पर काबू पाने के लिए उन्होंने अगले बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। वे लंबे समय तक बिना खाए रहे।

उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों समेत दूसरे जीवों को नुकसान पहुंचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज किया। उनके ध्यान के तरीके, तपस्या के दिन और व्यवहार का तरीका धार्मिक जीवन में साधुओं और साध्वियों के लिए एक सुंदर उदाहरण है। उनकी आध्यात्मिक खोज बारह साल तक चली। आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल-ज्ञान के नाम से जाना जाता है। उन्होंने अगले तीस साल नंगे पैर भारत भर में घूमकर लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उन्होंने हर तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा, अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत।

-संजय गोस्वामी

ईरान-इज़रायल-अमेरिका युद्ध- जीवन से जुड़े बुनियादी ढांचे बिजली, पानी ऊर्जा और आम नागरिकों पर मंडराता वैश्विक संकट

वैश्विक ऊर्जा इमरजेंसी-तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत में ही दुनियाँ पर पड़ा असर-जंग का बदलता चेहरा-नेताओं के दावों से जनता की पीड़ा तक युद्ध संकट ने जीवन की बुनियादी जरूरतों रसोई गैस, परिवहन, बिजली और पानी को सीधे प्रभावित-सामाजिक असंतोष, आर्थिक अस्थिरता बढ़ने का खतराबड़ा वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष,विशेषकर ईरान,इज़रायल और अमेरिका के बीच युद्ध जैसे हालात ने विश्व व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा और तत्काल प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसियों के अनुसार, यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट के बाद सबसे गंभीर हो सकता है। कई देशों ने बिजली और ईंधन की खपत कोनियंत्रित करने के लिए ऊर्जा इमरजेंसी जैसे कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।पाकिस्तान,बांग्लादेश, श्रीलंका फिलीस्तीन जैसे देशों में बिजली कटौती,पेट्रोल-डीजल की सीमित आपूर्ति और स्कूल बंद करने जैसे निर्णय लिए जा रहे हैं।आश्चर्यजनक रूप से, यह संकट केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप और न्यूजीलैंड जैसे विकसित क्षेत्रों में भी ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहता हूं कि हर युद्ध की शुरुआत में इसे इंसानियत की रक्षा और शांति की स्थापना के नाम पर प्रस्तुत किया जाता है।जब ऊर्जा से आगे बढ़कर पानी बना युद्ध का नया हथियार तो यह इस युद्ध का सबसे खतरनाक पहलू है।अब यह केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पानी जैसे जीवनदायी संसाधन तक पहुंच गया है।खाड़ी देशों में प्राकृतिक मीठे पानी की भारी कमी है और वे समुद्री पानी को शुद्ध करने के लिए डिसैलिनेशन प्लांट्स पर निर्भर हैं।यदि इन संयंत्रों पर हमले होते हैं, तो स्थिति भयावह हो सकती है। उदाहरण के लिए, सऊदी अरब अपनी लगभग 70 प्रतिशत पेयजल आवश्यकता इन प्लांट्स से पूरी करता है, जबकि कुवैत लगभग 90 प्रतिशत और ओमान 86 प्रतिशत तक निर्भर है। इसका अर्थ है कि ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने या संयंत्रों के नष्ट होने पर इन देशों में पानी का संकट तुरंत उत्पन्न हो सकता है।ट्रंप ने भी दावा किया कि यह अभियान ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और वहां के लोगों को तानाशाही शासन से मुक्ति दिलाने के लिए है।दूसरी ओर, ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इज़रायल और पूरे मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी दी।लेकिन 26 दिनों के भीतर ही इस युद्ध का स्वरूप बदल गया है।अब सैन्य ठिकानों की बजाय आम नागरिकों के जीवन से जुड़े बुनियादी ढांचे बिजली,पानी और ऊर्जा पर हमले की धमकियां दी जा रही हैं। ट्रंप द्वारा 48 घंटे का अल्टीमेटम देकर ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाने की चेतावनीदी थीं और उसके जवाब में ईरान द्वारा पूरे खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा एवं जल ढांचे को नष्ट करने की धमकी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब युद्ध का केंद्र जनता बन चुकी है।

साथियों बात अगर हम डिसैलिनेशन प्लांट्स पर खतरा- जीवनरेखा पर सीधा हमला इसको समझने की करें तो ईरान द्वारा खाड़ी देशों के प्रमुख जल और ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाने की धमकी ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन जैसे देशों के प्रमुख प्लांट्स खतरे में हैंयदि ये संयंत्र नष्ट होते हैं, तो न केवल पीने के पानी की आपूर्ति ठप हो जाएगी, बल्कि बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि ये दोनों प्रणालियां आपस में जुड़ी हुई हैं। इस स्थिति में पूरा खाड़ी क्षेत्र प्यास और अंधेरेके संकट में फंस सकता है।

साथियों बात अगर हम आम नागरिकों पर असरस्मानवीय जीवन से जुड़े बुनियादी ढांचे बिजली,पानी ऊर्जा और आम नागरिकों पर मंडराता वैश्विक संकट जीवनशैली में भारी बदलाव इसको समझने की करें तो इस युद्ध का सबसे बड़ा खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। कई देशों में ईंधन की कमी के कारण स्कूल बंद किए जा रहे हैं, कंपनियां वर्क फ्रॉम होम लागू कर रही हैं, और पेट्रोल-डीजल की खरीद पर सीमाएं तय की जा रही हैं। बिजली कटौती आम हो गई है, जिससे उद्योग, स्वास्थ्य सेवाएं और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहे हैं।ऊर्जा संकट ने जीवन की बुनियादी जरूरतों रसोई गैस, परिवहन, बिजली और पानी को सीधे प्रभावित किया है। इससे सामाजिक असंतोष और आर्थिक अस्थिरता बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है ठीक वैसे ही,वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा- मंदी की आशंका ऊर्जा संकट का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से उत्पादन लागत बढ़ती है,जिससे महंगाई बढ़ती है और उपभोक्ता खर्च घटता है।विशेष रूप से भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, जहां बड़ी संख्या में लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं। इस युद्ध के कारण लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है, और हजारों लोग वापस लौट चुके हैं।

साथियों बात कर हम पानी की जंग-भविष्य का सबसे बड़ा खतरा इसको समझने की करें तोविश्लेषकों का मानना है कि यह संघर्ष भविष्य में पानी की जंग का संकेत हो सकता है। जिस तरह तेल ने 20वीं सदी में भू-राजनीति को प्रभावित किया, उसी तरह पानी 21वीं सदी का सबसे बड़ा संसाधन बन सकता है।यदि जल स्रोतों और जल आपूर्ति प्रणालियों पर हमले बढ़ते हैं, तो यह मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा। पानी की कमी न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करेगी, बल्कि बड़े पैमाने पर पलायन, सामाजिक अशांति और राजनीतिक अस्थिरता को भी जन्म दे सकती है।

साथियों बात अगर हम ऊर्जा संकट का वैश्विक विस्तार- 1973 जैसा खतरा इसको समझने की करें तो,मध्य पूर्व में जारी संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित किया है। मध्य पूर्व विश्व के तेल और गैस उत्पादन का केंद्र है, जहां से बड़ी मात्रा में ऊर्जा संसाधन पूरी दुनिया में निर्यात होते हैं। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के उत्पादन केंद्रों पर खतरे के कारण तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल आया है।यह स्थिति 1973 के तेल संकट की याद दिलाती है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी झटका लगा था। आज भी वही खतरा मंडरा रहा है,ऊर्जा की कमी,महंगाई में वृद्धि,और वैश्विक मंदी का जोखिम मंडरा रहा है।

साथियों बात अगर हम होर्मुज जलडमरूमध्य- वैश्विक आपूर्ति की जीवनरेखा पर संकट,होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है,जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हमलों के कारण तेल टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे आपूर्ति बाधित हो रही है।भारत सहित एशिया की कई अर्थव्यवस्थाएं, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से सीधे प्रभावित हो रही हैं। भारत में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और आर्थिक दबाव के रूप में इसका असर साफ दिखाई दे रहा है।

साथियों बाद अगर हम युद्ध के बयानों पर नजर डालें तोहर जंग की शुरुआत में एक घोषणा की जाती है- यह जंग इंसानियत को बचाने की जंग है, लाखों जान बचाने के लिए न टाली जा सकने वाली जंग है. ईरान के खिलाफ 26 दिन पहले अमेरिका और इजरायल की तरफ से जब जंग शुरू की गई थी तब भी कुछ ऐसे ही दावे किए गए. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि वो ईरान के लोगों को एक तानाशाही शासन से आजादी दिलाने निकले हैं, इस्लामिक शासन को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए निकले हैं. ईरान ने भी जवाबी हमला करते हुए कहा कि वह इजरालय और मीडिल ईस्ट में अमेरिका के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा,हालांकि अब कहानी का प्लॉट ही बदल चुका है।अब नेता नहीं जनता निशाने पर है. ट्रंप ने 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि उनकी सेना पूरे ईरान के बिजली संयंत्र को निशाने बनाने वाली है, तो वहीं ईरान ने कहा कि कोई भी हमला हुआ तो वह पूरे खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा और जल बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा.ईरान के पावर प्लांट तबाह कर देंगे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युद्ध का असली चेहरा और मानवता के लिए चेतावनी,ईरान, इज़रायल और अमेरिका के बीच बढ़ता संघर्ष अब केवल सैन्य टकराव नहीं रह गया है, बल्कि यह ऊर्जा, पानी और मानव अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है।इस युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्धों में सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को होता है। बिजली, पानी और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें जब युद्ध का हथियार बन जाती हैं, तो यह मानवता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाता है।दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां अगर समय रहते कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया, तो यह संकट वैश्विक आपदा का रूप ले सकता है। यह केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए एक चेतावनी है कि संसाधनों की लड़ाई भविष्य में कितनी भयावह हो सकती है।

--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026- जनजातीय अस्मिता,आत्मनिर्भरता और अवसरों का विस्तारित उत्सव

-विनोद कुमार सिंह

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित हरित और सांस्कृतिक आभा से परिपूर्ण परिसर सुंदर नर्सरी में आयोजित भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने इस वर्ष जिस प्रकार जनसामान्य, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया,वह अपने आप में एक ऐतिहासिक संकेत है—भारत की जनजातीय परंपराओं के पुनर्जागरण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का।जनता के अभूतपूर्व उत्साह और मांग को देखते हुए जनजातीय मामलों का मंत्रालय ने ट्राइफेड (ङ्क्रढ्ढस्नश्वष्ठ)के सहयोग से इस महोत्सव को 5 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह विस्तार केवल तिथि का विस्तार नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है—जनजातीय समाज को बाजार,सम्मान और अवसरों से जोड़ने की प्रतिबद्धता का।सरकार के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की जनजातीय विरासत अब केवल संग्रहालयों या पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि वह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक धारा में सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। महोत्सव में उमड़ी भीड़, प्रदर्शनी स्टॉलों पर लगी कतारें, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर गूँजती तालियाँ और आदिवासी व्यंजनों का स्वाद लेते लोग - यह सब मिलकर एक जीवंत भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और वन धन विकास केंद्रों (VDVKs) के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।इस वर्ष के आयोजन में 22 राज्यों के 78 आदिवासी समुदायों की सह भागिता,28 राज्यों के 300 से अधिक कला एवं शिल्प प्रदर्शकों की उपस्थिति और 21 राज्यों से आए 120 आदिवासी व्यंजन विशेषज्ञों द्वारा संचालित 30 फूड स्टॉल—यह आंकड़े केवल संख्या नहीं,बल्कि भारत की विविधता और एकता का सशक्त प्रतीक हैं। यहां हस्तशिल्प,हथकरघा, प्राकृतिक उत्पाद, जैविक वस्तुएं और पारंपरिक ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 29 मार्च को आयोजित वन धन कॉन्क्लेव रहा,जिसका उद्घाटन जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।इस कॉन्क्लेव ने जनजातीय उद्यमिता को नई दिशा देने का कार्य किया। अपने उद्घाटन संबोधन में मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 卐जनजातीय समुदाय केवल संरक्षण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं।उनके पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनकी समझ और उनकी जीवन शैली आज के सतत विकास के मॉडल को दिशा दे सकती है।मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना है, न कि केवल सहायता पर निर्भर रखना। उन्होंने लघु वन उपज (MFP) के मूल्यवर्धन,स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विस्तार पर विशेष बल दिया।उनके अनुसार,जब एक आदिवासी कारीगर का उत्पाद सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो वह केवल एक वस्तु का लेन-देन नहीं होता,बल्कि वह विश्वास, परंपरा और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।

कॉन्क्लेव के अंतर्गत पाँच विषयगत सत्र आयोजित किए गए,जिनमें सतत आजीविका,लघु वन उपज का मूल्य संवर्धन,बाजार संपर्क, कौशल विकास और जनजातीय उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों,नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने मिलकर यह विचार किया कि किस प्रकार जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है।महोत्सव के दौरान आयोजित भारत ट्राइब्स बिजनेस कॉन्क्लेव और CSR कॉन्क्लेव ने भी साझेदारी और निवेश के नए अवसरों को जन्म दिया।कॉर्पोरेट जगत और जनजातीय उद्यमों के बीच संवाद ने यह स्पष्ट किया कि यदि सही दिशा और सहयोग मिले,तो जनजातीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।यहाँ प्रस्तुत होने वाले लोक नृत्य,संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जीवन शैली भारत की उस आत्मा को सामने लाते हैं, जो प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की कला सिखाती है।सरकार द्वारा संचालित वन धन योजना के माध्यम से देशभर में स्थापित वन धन विकास केंद्रों ने जनजातीय समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। ये केंद्र स्थानीय संसाधनों के प्रसंस्करण और विपणन में सहायता करते हैं, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि होती है।महोत्सव में इन केंद्रों की सक्रिय भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि सरकार पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की जीवन शैली में वह ज्ञान निहित है,जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।हमें इस ज्ञान को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में उपयोग करना होगा। इस महोत्सव में आए आगंतुकों के लिए यह एक अनूठा अनुभव रहा। जहां एक ओर वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए उत्पादों को देख और खरीद सके, वहीं दूसरी ओर उन्हें जनजातीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिला।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,सभी वर्गों के लोगों ने इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस विस्तारित अवधि ने विशेष रूप से उन कारीगरों को लाभ पहुंचाया है,जो दूरदराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचे हैं।उनके लिए यह केवल एक व्यापारिक अवसर नहीं,बल्कि अपने अस्तित्व और पहचान को स्थापित करने का मंच है।कई कारीगरों ने यह साझा किया कि इस महोत्सव ने उन्हें न केवल आर्थिक लाभ दिया है,बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 का यह विस्तार एक व्यापक संदेश देता है—विकास तभी सार्थक है,जब वह समावेशी हो।जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर पहुंचे, तभी वास्तविक प्रगति संभव है। जनजातीय समुदाय,जो सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते आए हैं,आज आधुनिक भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि एक आंदोलन है - आत्मनिर्भर भारत की दिशा में, सांस्कृतिक गौरव के पुनर्स्थापन की दिशा में और जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में।इसका विस्तार इस बात का प्रमाण है कि देश अब अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए, उन्हें आधुनिकता के साथ जोड़कर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।आयोजकों द्वारा इस अवशर आगंतुकों से आह्वान किया गया है कि वे इस विस्तारित अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और इस महोत्सव में आकर न केवल खरीदारी करें,बल्कि उस भारत को महसूस करें,जो अपनी विविधता में एकता का सजीव उदाहरण है - एक ऐसा भारत,जहाँ परंपरा और प्रगति साथ-साथ चलती हैं।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

नई दिल्ली। एजेंसी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे। घरेलू बाजार में सुस्ती बनी रह सकती है, क्योंकि 31 मार्च और 3 अप्रैल को महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहेंगे।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

नई दिल्ली। एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है। उनका कहना है कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने से उनकी आय पर असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें हवाई किराया बढ़ाना पड़ सकता है। डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि यह परिपत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होगा।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन ई-कॉमर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

नई दिल्ली। एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन (ई-कॉमर्स) पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जून, 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकि, भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं है, इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी। ई-कॉमर्स और निवेश से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद, मंत्रीस्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई। भारत ने विकसित देशों के दबाव के बावजूद आईएफडी समझौते में शामिल होने का विरोध किया। हालांकि, यह समझौता 129 देशों के बहुमत समर्थन के साथ पारित हुआ। पिछली दो मंत्रीस्तरीय बैठकों (12वीं और 13वीं) की तरह, इस बार भी अंतिम घोषणा पर किसी सहमति की सूचना नहीं मिली। भारत ने स्पष्ट किया कि ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क में छूट को लेकर नीति में संतुलन और राजस्व सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबला सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे बढ़कर 94.68 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ, जो पिछले बंद भाव से 128 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अब तक के अपने निचले स्तर 94.85 पर बंद हुआ। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 100.09 पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.20 अंक नीचे आकर 2.14 22,331.40 पर बंद हुआ। बाजार में चारों ओर गिरावट रही। सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी रियल्टी), निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया और निफ्टी ऑटो की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक टूटकर 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक नीचे आकर 15,203.80 पर था। सेंसेक्स पैक में 30 में से केवल दो शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट,

भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड के शेयर ही लाभ पर बंद हुए। बीएसई पर आज सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 10 लाख करोड़ रुपए कम होकर 412 लाख करोड़ रुपए हो गया है जबकि ये शुक्रवार को 422 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। बाजार में गिरावट को कारण मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता हुआ तनाव है, जिससे भी निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान ?निफ्टी 50 करीब 0.70 फीसदी यानी लगभग 160 अंक गिरकर 22,659.60 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं बीएसई सेंसेक्स भी 514 अंक टूटकर 73,069.21 के स्तर पर रहा। वैश्विक बाजारों से भी नकारात्मक संकेत मिले। कच्चे तेल के दामों में तेजी आई है, जहां ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। मुध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सप्लाई को लेकर चिंता इसके प्रमुख कारण हैं।

एनसीएलएटी ने बीएसई की अपील खारिज की

नई दिल्ली। एजेंसी। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते रुपया कमजोर हुआ और इक्विटी बाजार पर दबाव देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की अस्थिरता को बढ़ाया है, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। डीमैट खातों की जब्ती से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की अपील को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि आईबीसी की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी को व्यापक शक्तियां प्राप्त हैं जो दिवालियापन समाधान और परिसमापन के मामलों में लागू होती हैं। बीएसई ने एनसीएलटी के अधिकार को चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि दिवालियापन के दौरान डीमैट खातों पर रोक हटाना सेबी के नियामकीय दायरे में आता है। लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि दिवालियापन से जुड़े मामलों में एनसीएलटी का अधिकार सर्वोपरि है। इसका मतलब है कि भविष्य में ऐसे मामलों में एनसीएलटी के फैसलों पर विवाद की संभावना कम होगी और स्पष्टता बनी रहेगी।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। ससुराल पक्ष से कोई व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। हालांकि किसी बात को लेकर आप अपनी माताजी से थोड़ा नाराज हो सकते हैं, लेकिन समय रहते बात को संभाल लेना ही समझदारी होगी। आज आप अपनी संतान को अच्छे संस्कार और परंपराओं का महत्व समझाने की कोशिश करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के लिए आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सीख लेना होगा।

वृषभ- आज का दिन व्यापार और कामकाज के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। किसी महत्वपूर्ण चर्चा या मीटिंग में आपकी मौजूदगी महत्वपूर्ण रहेगी, इसलिए अपनी बात पूरे आत्मविश्वास के साथ रखें। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए दिन थोड़ा संवेदनशील हो सकता है और साथी से किसी बात को लेकर बहस हो सकती है। फिर भी वरिष्ठ सदस्यों और मित्रों का सहयोग आपको मिलता रहेगा।

मिथुन- आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भगवान की भक्ति और आध्यात्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा, लेकिन परिवार के किसी सदस्य की तबीयत खराब होने से भागदौड़ बढ़ सकती है। अनजान लोगों से थोड़ा सावधान रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। नए काम की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है और निवेश को लेकर भी आप योजना बना सकते हैं।

कर्क- आज आपको अनावश्यक विवादों से दूर रहना होगा। जो भी काम करें, पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करें। कार्यक्षेत्र में यदि किसी छोटे की गलती हो जाए तो उसे बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना ही बेहतर रहेगा। कुछ समय से जो बेवजह की चिंता आपके मन में चल रही थी, वह भी अब कम हो सकती है। हालांकि कोई कानूनी मामला थोड़ा तनाव दे सकता है, इसलिए किसी अनुभवी वकील से सलाह लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

सिंह- आज का दिन नए घर, जमीन या मकान की खरीदारी के लिए अच्छा संकेत दे रहा है, लेकिन सभी जरूरी कागजातों को ध्यान से जांचना बेहद जरूरी होगा। करियर को लेकर जो चिंता आपके मन में थी, वह भी धीरे-धीरे दूर होती दिखाई दे रही है। पारिवारिक मामलों को आपसी बातचीत से ही सुलझाना बेहतर रहेगा। राजनीति में कदम बढ़ाने वाले लोगों को अपने आसपास के लोगों को समझकर ही कोई निर्णय लेना चाहिए।

कन्या- निवेश से जुड़े मामलों में आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। मेहनत से पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपको सफलता दिलाएगी। परिवार में किसी सदस्य के साथ काम को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर यदि पहले से कोई परेशानी महसूस हो रही थी, तो उसे नजरअंदाज न करें। संतान की तरक्की देखकर आज आपका मन गर्व और खुशी से भर जाएगा।

तुला- आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। आपके काम से आपके बॉस काफी प्रभावित हो सकते हैं और आपके प्रमोशन की चर्चा भी आगे बढ़ सकती है। हालांकि महिला मित्रों के साथ व्यवहार में थोड़ा संयम रखना बेहतर रहेगा। कुछ मनमौजी खर्चों के कारण आपको किसी से धन उधार भी लेना पड़ सकता है। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने की संभावना है। माता-पिता से बातचीत करते समय शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें।

वृश्चिक- आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। जिद और अहंकार से दूर रहना ही आपके लिए लाभदायक रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने से मन बेहद प्रसन्न होगा। किसी विरोधी की बातों में आने से बचें, क्योंकि कार्यक्षेत्र में कोई व्यक्ति आपके ऊपर झूठा आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है। ऐसी स्थिति में अपनी सच्चाई पूरे आत्मविश्वास के साथ सामने रखें। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

धनु- आज नए संपर्क आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी पहचान मजबूत करेंगे। किसी सरकारी योजना में निवेश करना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन किसी भी शुभ सूचना पर तुरंत निर्णय लेने से बचें।

मकर- आज का दिन मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा। आपकी कोई पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, इसलिए संयम से काम लें। बिना मांगे सलाह देने या लेने से बचना ही बेहतर रहेगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकता है। घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा और आपकी कोई मनोकामना भी पूरी हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। आप अपने तनाव को कम करने की कोशिश करेंगे और इसमें काफी हद तक सफल भी होंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। धन से जुड़ा कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है और आपकी कोई पुरानी इच्छा भी आज पूरी होने की संभावना है।

मीन- रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ संकेत दे रहा है। बस आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा और किसी से ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए जो उन्हें बुरी लगे। खर्चों को नियंत्रित करने के लिए बजट बनाकर चलना जरूरी होगा, नहीं तो बाद में परेशानी बढ़ सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप अपनी संतान को कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

शब्दजाल - 8214

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	र्ड	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

शब्दजाल में 'आज्ञा' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

आदेश, आर्डर, कहना, फरमान, समादेश, निर्देश, हिदायत, इजाजत, अनुमति, हुक्म

शब्दजाल - 8213 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7158

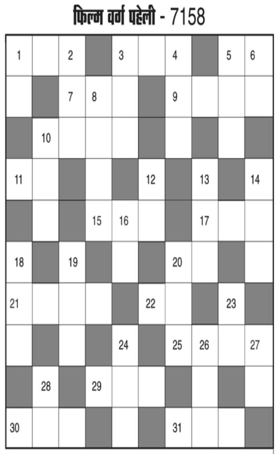

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7157

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.40 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.20 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.48 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.59 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.25 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.41 बजे से
राहुकाल		मकर	01.46 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	03.32 बजे से
बजे तक		मीन	05.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 90 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 06.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 15.21 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 15.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.56 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872665
जूलियन दिन 2461130.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 11
विशेष महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्म का अर्थ

किसी गांव में एक सेठ रहता था। वह प्रतिदिन मंदिर जाता, देव प्रतिमा की अर्चना-उपासना करता, वहां घी का एक दीपक जलाता और घर आ जाता। यह क्रम पूरा होने के बाद ही उसकी दिनचर्या शुरू होती। वह शाम तक अपने व्यवसाय में लगा रहता। उसी गांव में एक निर्धन व्यक्ति भी था। ईश्वर, धर्म और पूजा-पाठ में उसकी पूरी आस्था थी लेकिन वह मंदिर में जाकर दीप जलाने के नियम का पालन नहीं कर पाता था क्योंकि मंदिर में घी के अलावा कोई और दीप जलाने का चलन ही नहीं था। इसलिए वह सरसों के तेल का एक दीपक जलाकर नित्य अपनी गली में रख देता था। वह अंधेरी गली थी और शाम होने के बाद कई लोग वहां से आते-जाते थे। उन्हें दीपक की रोशनी में सड़क पर चलने में काफी सुविधा होती थी। रात का पहला पहर बीत जाने के बाद जब दीपक बुझ जाता तो उस गली में लोगों का आना-जाना भी बंद हो जाता। यह सिलसिला सालों तक चलता रहा। न तो मंदिर में दीपक जलाने वाले सेठ का नियम टूटा और न ही गली में तेल का दीपक जलाने वाले निर्धन व्यक्ति का। दोनों वृद्ध हो गए। मर कर जब वे यमलोक पहुंचे तो सेठ को निम्न स्तर की स्थिति और सुविधाएं दी गई जबकि निर्धन व्यक्ति को उच्च श्रेणी की सुविधाएं। यह व्यवस्था देख सेठ ने यमराज से पूछा, 'यह भेद क्यों, जबकि मैं भगवान के मंदिर में घी का एक दीपक जलाता था, वह भी असली घी का।' धर्मराज मुस्कराए और बोले, 'पुण्य की महत्ता मूल्यों के आधार पर नहीं, कार्य की उपयोगिता और भावना पर होती है। मंदिर तो पहले से ही प्रकाशमान था। लेकिन उस गरीब व्यक्ति ने ऐसे स्थान पर प्रकाश फैलाया, जिससे हजारों व्यक्तियों को लाभ मिला। धर्म का असली उद्देश्य तो आम आदमी का उत्थान है। अगर धर्म-कर्म का सामान्य व्यक्ति को लाभ न मिले तो इसका अर्थ ही क्या है। इसलिए इस निर्धन व्यक्ति का प्रयास ज्यादा महत्वपूर्ण है।'

सूडोकु नवताल- 7467

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7466 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8682

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8681 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

टेडवा में दुर्गा मंदिर का निर्माण कर की माता रानी की प्राण प्रतिष्ठा

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत टेड़वा के दुर्गा चौक में नवरात्री के पावन अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति एवं समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से नवीन दुर्गा माता मंदिर का निर्माण कर माता रानी की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठित की गई तथा संपूर्ण 9 दिवस धार्मिक अनुष्ठान के साथ साथ आध्यात्मिक श्रीमद देवी महापुराण का आयोजन 19 मार्च से लेकर 27 मार्च तक किया गया। 19 मार्च को श्रीमद देवी महापुराण कथा प्रारंभ की गई जो कथा का वाचिका सुश्री निकीता किशोरी जी के श्रीमुख से भक्तो ने कथा का रसपान किया। इस संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान के संबध में आयोजन समिति ने बताया कि सर्वप्रथम 19 मार्च को प्रातः 9 बजे से कलश शोभा यात्रा ग्राम भ्रमण, तथा रोजाना कथा का वाचन जिनमें 19 मार्च 2026 को माँ शैलपूत्री देवी कथा, 20 मार्च को माँ ब्रम्हचारिणी देवी कथा, 21 मार्च को माँ चन्द्रघंटा देवी कथा, 22 मार्च को माँ कुष्मान्डा देवी कथा, 23 मार्च को माँ स्कन्दमाता देवी कथा, 24 मार्च को माँ कात्यायनी देवी कथा, 25 मार्च को माँ कालरात्रि देवी कथा, 26 मार्च को माँ महागौरी देवी कथा। शुक्रवार 27 मार्च को माँ सिद्धीदात्री देवी कथा सुनाई गई। कथा का समापन 27 मार्च को हवन पूजन यज्ञ पूर्णाहूति कर महाप्रसाद वितरण कर किया गया। संपूर्ण आयोजन में मुख्य यजमान लोकराम जी बेदरे रहे।

21 मार्च को माता रानी प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठित

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति एवं समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से ग्राम टेड़वा के दुर्गा चौक में माँ दुर्गा जी का नवीन मंदिर स्थाापित किया जाकर माता रानी की प्रतिमा स्थापित की गई है। जिसमें 21 मार्च को विधि विधान माता रानी की प्रतिमा का ग्राम दर्शन करवाकर अन्नाधिवास, फलाधिवास, जलाधिवास, फुलाधिवास आदि संपूर्ण विधि पूर्ण कर प्रतिमा स्थापित की गई। संपूर्ण विधि कार्यक्रम यज्ञाचार्य पंडित प्रथम शर्मा वृंदावन, पंडित रोहित शर्मा उज्जैन, रोहित जोशी उज्जैन सहित सहयोगी के द्वारा पूर्ण की गई।

महिला भक्तों का विशेष सहयोग

संपूर्ण आध्यात्मिक श्रीमद देवी महापुराण एवं माता रानी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ग्राम की महिला समिति एवं मण्डल, ग्रामीण महिला जनों के द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। नवरात्रा के 9 दिवस ग्राम मे होने वाले इस विशेष आयोजन को लेकर सभी महिलाऐं उत्साहित थी महिलाओं ने विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला और पूरे कायक्रम में सुव्यवस्थित बनाने मे अहम योगदान दिया। संपूर्ण आयोजन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नजर आई। सभी ने बढचढकर इस धार्मिक आयोजन में अपना सहयोग प्रदान कर आयोजन को सफलता प्रदान की।

आयोजन में इनकी रही अहम भूमिका

ग्राम में आयोजित आध्यात्मिक श्रीमद देवी महापुराण एवं प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में संपूर्ण ग्रामीण जनो ग्राम टेड़वा का विशेष योगदान रहा है साथ ही सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति टेडवा के संरक्षक प्रेम चंद दानी, अध्यक्ष डॉ प्रकाश बेदरे, उपाध्यक्ष रूपेंद्र खरखाटे सचिव पवन पारधी, कोषाध्यक्ष अशोक ठाकरे, सह सचिव कुलेश्वर खरखाटे एवं मुख्य यजमान लोकराम बेदरे, यजमान रामेश्ववर खरखाटे, सदस्यो महेश बेदरे, बुधराम ठाकरे, विक्की कुथे, शिवा बेदरे, घनश्याम ढंडे, परमेश्वर खरखाटे, श्याम बेदरे, कृष्ण बेदरे, पवन बेदरे, विजय बेदरे, कपूर चंद ठाकरे, चंद्रशेखर दानी महेश्वर खरखाटे, दिनेश माईन्दे, महेश माईन्दे, दुर्गेश माईन्दे, मनोहर आठोडे, प्रद्युन झगराहे, प्रवीण नखाते, छोटू खरखाटे, महेश ठाकरे, झाडूलाल बेदरे, सचिन बेदरे, प्रदीप बेदरे, सत्यप्रकाश खरखाटे, प्रकाश देशमुख, सतीश नाकतोड़े, श्यामलाल नखाते, रामकिशन ठाकरे, अशोक बेदरे, सुभाष बेदरे, नामदेव ठाकरे, प्रहलाद बेदरे, लक्ष्मी चंद दानी दिलीप खरखाटे, टीकाराम ठाकरे, घनश्याम ठाकरे, ओम प्रकाश सिल्हारे, सूर्य किशोर बेदरे, विजय अग्रवाल, लिखीराम नाकतोड़े, रमेश पारधी, रविन्द्र नाकतोड़े, डॉ ललित बुराडे, संतोष नाकतोड़े, धनीराम नाकतोड़े,प्रकाश नाकतोड़े, कुणाल नाकतोड़े, शक्ति बेदरे, सुनील पंद्राम, मायाराम नखाते, वासुदेव बेदरे, यशवंत बेदरे, संतोष ठाकरे जगदेव बेदरे, विरेन्द्र बेदरे, अरुण मिश्रा, प्रदीप नाकतोड़े, राजेश ठाकरे, राजेंद्र आठोंडे मनोज दरवरे, अशोक अथोड़े, सुखपाल नाकतोड़े, अमित नाकतोड़े, पैकराम नाकतोड़े सोहन अथोड़े , ज्ञानीराम दानी, धनीराम दानी, सुरेश दानी, सुमित दानी अनम दानी,महिला मंडल अध्यक्ष ममता खरखाटे, उपाध्यक्ष गीता माईन्दे, प्रीति बेदरे, उर्मिला बेदरे, सुशीला खरखाटे, जानवी बेदरे, किरण बेदरे, प्रिया ठाकरे, निकिता माईन्दे, पूजा पारधी, भावना दरवरे, ऊर्जा माईन्दे, नेहा खरखाटे, रानी खरखाटे, त्रिनाली दानी सहित समस्त ग्राम वासी ग्राम टेड़वा का विशेष सहयोग संपूर्ण अनुष्ठान मे रहा जो कि सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

एकल संच लांजी द्वारा खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य वार्षिक उत्सव सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी । एकल संच अभियान लांजी, अंचल जिला बालाघाट द्वारा वार्षिक उत्सव समारोह एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 29 मार्च 2026 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत माता स्कूल लांजी के ग्राउंड एवं सभागार में हुआ, जिसमें क्षेत्रीय एकल विद्यालयों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एकल संच अभियान के अध्यक्ष झंकार किरनापुरे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष विशाल राऊत खोंगल, सचिव परमेश्वर कुथे तथा भारत माता स्कूल के संचालक गुलाबचंद बड़घैया की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

खेलकूद प्रतियोगिता के परिणाम

कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में सुलसूल टीम - प्रथम स्थान, बोरी खुर्द टीम - द्वितीय स्थान।बालिका वर्ग में घोटी टीम - प्रथम स्थान एवं परसवाड़ा टीम - द्वितीय स्थान। दौड़ प्रतियोगिताएं में बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ – शुभम कारसर्पे बोरी - प्रथम, 200 मीटर दौड़ – रंजीत नागफासे पौसरा - प्रथम, 400 मीटर दौड़ – रंजीत नागफासे पौसरा - प्रथम, बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में दिव्या दमाहे बड़गांव - प्रथम, 200 मीटर दौड़ में निहारिका नगपुरे परसवाड़ा - प्रथम, 400 मीटर दौड़ में ओजस्वी बनोठे बापड़ी - प्रथम, कूद प्रतियोगिताएं में बालिका ऊंची कूद – उमा वाकडे घोटी - प्रथम, बालिका लंबी कूद में ओजस्वी बनोठे बापड़ी - प्रथम। इसके अलावा बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें नृत्य, गायन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। बच्चों की इन प्रतिभाओं का भरपूर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दुर्गा रामटेककर, वीणा उपराड़े, श्यामा मुरकुटे, संतोषी लिल्हारे, लक्ष्मी किरनापुरे, हरेंद्र पटेल महिमेहरो, फणींद्र दुरूगकर, उमाकांत उपराड़े, सुभाष उरखेड़े, भानु प्रताप प्रजापति तथा एकल संच अभियान के सभी आचार्यगण उपस्थित रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, अनुशासन तथा सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। समारोह बच्चों के उत्साह और ऊर्जा से पूर्ण रहा।

मोहझरी में धूमधाम से मनाया जाएगा श्री हनुमान जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत मोहझरी के श्री हनुमान मंदिर में 2 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विशेष आयोजन स्थानीय समिति एवं ग्रामीण जनों के सहयोग से किया जा रहा है।

दो दिवसीय इस जन्मोत्सव आयोजन में 1 अप्रैल को दिन बुधवार को श्री राम सीता लक्ष्मण हनुमान जी की झांकी ग्राम भ्रमण दर्शन करवाई जायेगी। दुसरे दिन 2 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सुबह 9 बजे से श्री हनुमान महाराज जी का अभिषेक पूजन किया जायेगा। दोपहर 3 बजे से श्री हनुमान चालिसा पाठ, शाम 5 बजे महाप्रसादी भंण्डारे का आयोजन तथा रात्रि 9 बजे संगीतमय सुन्दर काण्ड का आयोजन भी समिति एवं ग्रामीण जनो के सहयोग से किया जा रहा है। ग्राम पंचायत मोहझरी के सरपंच श्रीमती मनीषा संतोष नाकतोड़े, पंच गण एवं राम भक्तो द्वारा समस्त धर्म प्रेमी गणो से उक्त आयोजन में उपस्थित होकर पूण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी लांजी के 70 विद्यार्थियों ने पुरी-भुवनेश्वर का किया 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लांजी । निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी लांजी ने अपने 70 विद्यार्थियों के लिए ओडिशा के पुरी-भुवनेश्वर का 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। भ्रमण दल में संस्थान के डायरेक्टर प्रणय कुमार के नेतृत्व में शिक्षकगण आकाश बाहें, मुस्कान बनवारी, दीक्षा बारेकर, प्रतीभा कचलाहे, शिवम रामटेककर, ज्योति मालेवार, सागर आसटकर, भानु प्रताप प्रजापति, देवेंद्र क्षीरसागर एवं कैलाश ब्रम्हपुरे शामिल रहे। प्रस्थान समारोह को संबोधित करते हुए डायरेक्टर प्रणय कुमार ने कहा, 卐शैक्षणिक भ्रमण पुस्तकीय ज्ञान से परे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति के साक्षात्कार का अनुपम अवसर प्रदान करता है।卐 उनके प्रेरक शब्दों ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। भ्रमण दल ने सर्वप्रथम पुरी पहुंचकर विश्वप्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। अरब सागर के तट पर स्थित गोल्डन बीच की मनमोहक छटा का आनंद लिया और जगन्नाथ जी का प्रसिद्ध महाप्रसाद (संकुड़ी) ग्रहण किया। मंदिर के मुख्य सेवक दैतापति भवानी दास महापात्रा तथा प्रमुख सेवायत मधुसूदन सिंघारी ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। पुरी के गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने संस्थान को जगन्नाथ मंदिर का स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 11 मार्च 2026 को भ्रमण दल भुवनेश्वर पहुंचा। यहां विद्यार्थियों ने कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व धरोहर) का भ्रमण किया, जहां गाइड द्वारा सूर्य मंदिर की अद्भुत स्थापत्य कला की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद धौली गिरि पहुंचकर कलिंग युद्ध स्थल, अशोक के शिलालेख और शांति स्तूप को देखा। भुवनेश्वर में विद्यार्थियों ने लिंगराज मंदिर (कलिंग वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना) के दर्शन किए तथा उदयगिरि-खंडगिरि गुफाओं का अवलोकन किया, जो जैन धर्म की प्राचीन साधना स्थली हैं। इन गुफाओं में जैन राजा खारवेल द्वारा बनवाई गई 33 गुफाओं की ऐतिहासिक वास्तुकला ने सभी को प्रभावित किया। भ्रमण का सबसे रोमांचक हिस्सा नंदनकानन चिड़ियाघर रहा, जहां विद्यार्थियों ने सफेद बाघ सफारी, शेर सफारी और जिराफ सहित 67 प्रकार के स्तनधारी, 81 प्रकार के पक्षी और विविध वन्यजीवों को अपने प्राकृतिक आवास में देखा। चंदाका के जंगलों में फैले इस प्रसिद्ध चिड़ियाघर ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव कराया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय वास्तुकला, बौद्ध-जैन परंपरा, समुद्री तट की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहरों से गहरा परिचय मिला।

साकेत पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल ने घोषित किया परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। लांजी । नगर में संचालित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था साकेत पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल लांजी का सत्र 2025-26 परीक्षाफल 30 मार्च 2026 को प्रातः 10:30 बजे विद्यालय के मार्गदर्शक दामोदर मोरघड़े के मुख्यातिथ्य, प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधान पाठक श्रीमती नेत्रेश्वरी डॉ किशोर सोनवाने की अध्यक्षता में एवं पालकों की गरिमामयी उपस्थिति में सर्वप्रथम माँ सरस्वती का पूजन अर्चन कर सरस्वती वंदना के पश्चात प्री.प्रायमरी से ग्यारहवीं अंग्रेजी माध्यम का स्थानीय वार्षिक परीक्षा परीणाम घोषित किया गया। जिसमें कक्षा एल.के.जी. (अ) में नितीका प्रदीप रामटेके 99.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय गौरवी पवन कुमार भण्डारकर 99 प्रतिशत, तृतीय सानिध्य ध्रुव कुमार गजभिये 98.5 प्रतिशत। एल.के.जी.(ब) अनया अजय कुमार कलपुरे 99.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय यशस्वी याना चेतन महेरबान 99 प्रतिशत, तृतीय आराध्या जितेन्द्र बोरकर 98.5 प्रतिशत। यू.के.जी. (अ) प्रांशी गगन सिंह गौतम 99.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय आरोही पंकज बागड़े 98.5 प्रतिशत, तृतीय विधि गिरवरदास नगपुरे 96 प्रतिशत। यू.के.जी. (ब) अब्दुला रहमान सैदुल्ला खान 99.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय जैश मनोज बड़घैया 99 प्रतिशत, तृतीय देशना दुर्गेश आसटकर 98.5 प्रतिशत।कक्षा पहली (अ) में वेदिका अभय कुमार आसटकर 99 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय ईशा विजय कुमार आसटकर 97.5 प्रतिशत, तृतीय गुंजन महेश्वर लॉजेवार 96.5 प्रतिशत । पहली (ब) ओजस अजय सोनवाने 98.25 प्रतिशत, द्वितीय आहना तुलसीराम यादव एवं खुशी ओमप्रकाश आसटकर 95 प्रतिशत, तृतीय रौनक सुनिल बंसपाल 93 प्रतिशत । दूसरी (अ) तनवी रामेश्वर चौरवाड़े 99.75 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय लिग्मी नंदकिशोर दशहरे 97.75 प्रतिशत, तृतीय समर्पण सुरेन्द्र सिंगाडे 96.5 प्रतिशत। दूसरी (ब) गरिमा आषिश बसोने 98.75 प्रतिशत, द्वितीय देवांशी राकेश नगपुरे 98 प्रतिशत, तृतीय वैश्विक नंदकिशोर डाहरे एवं तेजश मुकेश कुमार उपराड़े 97.25 प्रतिशत । तीसरी (अ) उन्नती ऋषि कंकरायने 97.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय अनामिका नरेन्द्र धुर्वे 95 प्रतिशत, तृतीय माइकल नारायण उरकुड़े 92 प्रतिशत। तीसरी (ब) पिहु ओमप्रकाश सोनवाने एवं अर्थव लिखेन्द्र उपराड़े 99.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय निव्यांश ध्रुव गजभिये 98.6 प्रतिशत, तृतीय शांतनु गिरधारी सोनवाने 95.6 प्रतिशत। चौथी (अ) कनंक दुर्गेश ऐड़े 98.2 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय कबीर विनोद नारनौरे 97 प्रतिशत, तृतीय यशस्वी प्रवीण सोनवाने 96.8 प्रतिशत। चौथी (ब) दिव्यांश एवकदास नगपुरे एवं सारंग संजय सिकन्दरपुरी 98.8 प्रतिशत प्रथम, द्वितीय सौम्या संदीप सिंकन्दरपुरी 97.8 प्रतिशत, तृतीय परी रविन्द्र सिंह एवं उत्सव हिमेन्द्र पिपरे 95.8 प्रतिशत। छटवी (अ) डॉली महेश्वर लॉजेवार 97.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय यश्वी कोमल प्रसाद ठाकरे 97 प्रतिशत, तृतीय मनाली राहुल सहारे एवं नमन श्रीराम नगपुरे 93 प्रतिशत। छटवी (ब) गुंजन कुलदीप सोनवाने 95.83 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय पलक उत्तम दहीकर एवं हुनर रामकुमार रहांगडाले 95.16 प्रतिशत, तृतीय शानवी अनिल उमरे 89.3 प्रतिशत। सातवी (अ) मिष्ठी खानेश मस्करे 96.33 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय आरूषी उमेश लिल्हारे 93.5 प्रतिशत, तृतीय सुहानी अशोक दशहरे 92.66 प्रतिशत। सातवी (ब) अर्जित नरेन्द्र ब्रम्हपुरे 97.5 प्रतिशत, द्वितीय महक हंसराज सोमनकर 94.16 प्रतिशत ,तृतीय ओमी राजकुमार मानकर 93.16 प्रतिशत। नवमी अंग्रेजी माध्यम में आराध्या जितेन्द्र बोरकर 98.16 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय खुशी राजेन्द्र कालबेले एवं वेदांश चंद्रकुमार सोनी 97.16 प्रतिशत, तृतीय अंश गणेश अरमरकर 96.33 प्रतिशत। ग्यारहवी अंग्रेजी माध्यम में धानी गणेश अरमरकर 93.4 से प्रथम, द्वितीय खंनक सिद्धार्थ गजभिये 89.2 प्रतिशत, तृतीय युक्ता ज्ञानीराम फर्दे 86.8 प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम की घोषणा के पश्चात विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े, प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधान पाठक नेत्रेश्वरी डॉ किशोर सोनवाने, शिक्षक कोमल प्रसाद ठाकरे, किरण कुमार रामावत, निर्मल सिंह सोलंकी, थानेश बनोठे, प्रदीप रामटेके,सतेन्द्र मुरकूटे, शिक्षिका श्रीमती सुरभी संजय मिश्रा, मंजु कश्यप, भुनेश्वरी गव्हारे, ज्योति परिहार, संध्या बिल्हारे, लता मुरकूटे, मुक्ता सोमनकर, विनिता मोरघड़े एवं शाला परिवार द्वारा छात्र छात्राओं को बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकानाएँ प्रेषित किया।

इन्हे भी किया सम्मानीत

दिनांक 25 मार्च 2026 को राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा 5वीं एवं 8 वीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमे आठवी मे रूद्रप्रताप सिंह राकेश महिमेहरों 90.66 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, अनुकृति राजेश कश्यप 90.33 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, नुपूर झनकार सिंह ठाकरे 90 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी क्रम में पांचवी मे तिक्षा होमेश्वर पाड़े 89.25 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, वैशणवी चंद्रकुमार सोनी 89 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, आराध्या गजेन्द्र ऐरपुड़े 88.75 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हे विद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह् प्रदान कर विद्यालय परिवार ने उज्वल भविष्य की शुभकानाएँ प्रेषित की है।

भानेगांव में हो रही अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी । लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत भानेगांव के ग्रामीण जन 30 मार्च को विद्युत वितरण केन्द्र कार्यालय ग्राम भानेगांव पंहुचे जहां उन्होने रोजाना हो रही अघोषित विद्युत कटौती से परेशान होकर कार्यालय का घेराव किया। समस्त उपस्थित ग्रामीण जनो के द्वारा कनिष्ठ अभियंता को एक लिखीत शिकायत प्रस्तुत की गई है जिसमें उन्होने ग्राम भानेगांव में हो रही विद्युत कटौती को लेकर बताया कि भानेगांव एक प्रमुख ग्राम है, जो आसपास के लगभग 25 गांवों से जुड़ा हुआ है। यहां के लोग बैंक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं के लिए इसी ग्राम पर निर्भर हैं। लेकिन बार-बार बिजली गुल होने से सभी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा, ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नल-जल योजना भी बिजली पर निर्भर है, जिसके कारण सुबह के समय पानी आपूर्ति में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना बिजली के दैनिक जीवन के साथ-साथ आवश्यक सेवाएं भी ठप्प हो जाती हैं। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि बिजली कटौती का निश्चित समय सार्वजनिक किया जाए, ताकि लोग अपने कार्यों की योजना बना सकें। साथ ही अघोषित कटौती को कम करने की भी अपील की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके अन्यथा बिजली समस्या लेकर उग्र आंदोलन किया जायेगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र-छत्तीसगढ़, राजस्थान के युवा विधायकों के सम्मेलन में सीएम डॉ. मोहन बोले

राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी

भोपाल। मप्र विधानसभा में युवा विधायक सम्मेलन के पहले दिन 3 राज्यों के 45 विधायक शामिल हुए। इनको संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता के बीच बने रहने के लिए विनम्रता बनाए रखें। इलाके की अच्छाई के साथ कमजोरी को भी समझें। राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी है। आज के दौर में दुनिया हमारी तरफ देख रही है कि भारत किस तरह 2047 के अमृत काल की तरफ बढ़ रहा है।

दो दिन तक चलने वाले युवा विधायक सम्मेलन में लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और विकसित भारत 2047 के विजन तक पहुंचने में युवा विधायकों की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है।

भारत 2047 के अमृत काल की तरफ बढ़ रहा

मुख्यमंत्री ने कहा- आप भाग्यशाली हैं कि इस उम्र में विधायक बनकर आ गए। जनता के बीच बने रहने के लिए विनम्रता को धारण करें। इलाके की अच्छाई को भी समझें और कमजोरी को भी समझें। इतनी व्यस्तता होने के बाद भी मैं स्वाध्याय और व्यायाम के लिए समय रिजर्व रखता हूं। पहला सुख निरोगी काया है। अगर शरीर साथ न दे तो क्या होगा? अपने सारे कामों की चिंता करें, बगैर कोई तनाव पाले। बड़ी से बड़ी परेशानी आए तो शांति से उसका मार्ग निकालो। अगर राजनीतिक क्षेत्र में आने के बाद हमारे परिवार पर गलत असर पड़ जाए, बच्चे गलत दिशा में चले जाएं तो ठीक नहीं है। इन सारी चीजों में मर्यादा की आवश्यकता है। अनुशासन के आधार पर हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पार्टी आपसे क्या अपेक्षा रखती है। पार्टी के साथ बुरे वक्त में बने रहें। राम को कहां सिंहासन मिल रहा था और कहां बनवास हो गया था। विक्रमादित्य ने अपने बच्चों को राजा नहीं बनाया, वे तो समर्थ थे। बच्चों में दम होगा तो वे भी बन जाएंगे। जबरदस्ती ला-लाकर बनाने से हमारी राजनीति भी खराब हो जाती है। आज के दौर में दुनिया हमारी तरफ देख रही है। भारत 2047 के अमृत काल की तरफ बढ़ रहा है। 75 साल में अगल-बगल के देशों में देखो तो लोकतंत्र कहां बचा है? पाकिस्तान-अफगानिस्तान जहां आप देखेंगे, क्या हो रहा है?

हमारे लोकतंत्र की जड़ों में मजबूती

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज भी दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं, जो इतनी विविधता के बावजूद अनेकता में एकता जैसी भारत की विशेषता रखता हो। अंग्रेज जब देश छोडक़र जा रहे थे तो उन्होंने इतनी सारी रियासतों को फ्री कर दिया। उन्होंने सोचा था कि अफ्रीका और बाकी देशों जैसा भारत का हाल हो जाएगा। लेकिन उनके तमाम षड्यंत्रों के बावजूद हम एक हैं क्योंकि हमारे लोकतंत्र की जड़ों में मजबूती है। आज हमारी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में पहचान है। दूसरे देश के लोकतंत्र हमसे देखते-सीखते हैं।

नागरिकों की सक्रियता से जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी तय होती है- तोमर

सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी से तय होती है। उन्होंने युवा विधायकों को बदलाव का वाहक बताते हुए कहा कि वे नई सोच और ऊर्जा के साथ राजनीति में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। तोमर ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान की सफलता उसे लागू करने वालों की नीयत और प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि ईमानदारी से कार्य करें, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत बन सकता है।

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू होगा स्कूल चलें हम अभियान

स्कूल शिक्षा विभाग ने अभियान की तैयारी को लेकर सभी जिलों के कलेक्टर्स व जिला शिक्षाधिकारियों को जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे स्कूल चलें हम अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन

स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निन्शुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा 1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में 卐भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

हार के आगे जीत

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

वित्तीय वर्ष का अंत भी कर्ज के साथ

भाजपा की राज्य सरकार फिर ले रही है 2500 करोड़ का कर्ज

भोपाल। एक ही महीने में चार बार कर्ज लेकर और चालू वित्तीय वर्ष के अंतिम कार्य दिवस पर कर्ज लेकर प्रदेश की डॉ मोहन यादव की भाजपा सरकार ने नया रिकार्ड बनाया है। यह कर्ज 2500 करोड़ रुपए का है। इस प्रकार मार्च महीने में ही राज्य सरकार ने चार बार कर्ज लिया है। मार्च महीने में लिया जाने वाला कुल कर्ज 18700 करोड़ रुपए का है द्य मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने उक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि एक वित्तीय वर्ष में ही राज्य सरकार ने 91500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। इससे साफ है कि इस वित्तीय वर्ष में भाजपा की राज्य सरकार को हर रोज 250 करोड़ रुपए का कर्ज लेना पड़ा है। माकपा नेता ने कहा है कि राज्य सरकार पर कर्ज का बोझ 5.56 लाख करोड़ को पार कर गया है। जब प्रदेश कर्ज में डूबा है, तब भाजपा की प्रदेश सरकार प्रदेश के विकास के दावे कर रही है। जसविंदर सिंह ने कहा है कि स्थिति यह है कि 3 मार्च को लिया गया 6300 करोड़ का कर्ज कर्मचारियों को 3 फीसद महँगाई भत्ता देने के लिया था और 10 मार्च को 5800 करोड़ का कर्ज लाड़ली बहिनों के खाते में पैसा डालने के लिया गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा है कि पिछले दो दशकों में भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढ़ाया है और कर्ज का पैसा प्रदेश के विकास की बजाय नेताओं, नौकरशाहों और दलालों की तिजोरियों में गया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन 10 और 15 अप्रैल से

वैश्विक हालातों के बीच कैबिनेट समिति ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में सोमवार को कैबिनेट समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से आयोजित की गई, जिसमें राज्य में गेहूँ उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कैबिनेट समिति ने निर्णय लिया है कि इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में गेहूँ की खरीदी का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन कार्य 15 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। सरकार ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें खरीदी केंद्रों की स्थापना, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना शामिल है।

खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि बैठक में वैश्विक परिदृश्य, विशेष रूप से मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न आपूर्ति एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से गेहूँ खरीदी की प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो और भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, परिवहन एवं स?कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री लखन पटेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि समय पर और व्यवस्थित गेहूँ खरीदी से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में खाद्यान्न प्रबंधन भी सुदृढ़ होगा। इसके साथ ही, बदलते वैश्विक हालातों के बीच यह कदम राज्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा और नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा भी उपस्थित थे।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक - मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि भारत में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और देश व प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं। इससे पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति निरंतर बनी हुई है और किसी प्रकार की रुकावट की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सहित पूरे देश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्री राजपूत ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पीएनजी कनेक्शन लेने का भी आग्रह किया, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो और स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप एलपीजी सिलेंडरों का निरंतर वितरण किया जा रहा है। वहीं कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम और आवंटन प्रतिशत के आधार पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सतत रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं तथा जिला स्तर तक बॉटलिंग प्लांट और वितरकों के पास उपलब्धता एवं वितरण की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल (एमएस/एचएसडी) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। रिटेल आउटलेट्स (पेट्रोल पंपों) पर भी पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। कंपनियों के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति की जा रही है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। बढ़ी हुई मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के डिपो अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं जिससे मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2,110 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 2,933 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए तथा 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त 391 पेट्रोल पंपों की जांच की गई, जिसमें एक प्रकरण दर्ज कर एफआईआर कराई गई है। प्रदेश के सभी जिला आपूर्ति नियंत्रकों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा

प्रदेश में पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाओं द्वारा घरेलू और व्यावसायिक कनेक्शन से संबंधित मांग एवं शिकायतों के पंजीयन और उनके निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के जिन शहरों में पाइपलाइन नेटवर्क उपलब्ध है, वहां पाइपलाइन के आसपास के घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। अन्य जिलों में पाइपलाइन विस्तार के बाद पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही सीजीडी संस्थाओं को विभिन्न अनुमतियां प्राप्त करने के लिए सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। इन संस्थाओं द्वारा संबंधित शहरों के लिए दूरभाष नंबर भी जारी किए गए हैं, जिन पर उपभोक्ता संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

व ी अ ा इ ٰ ट ी विश्वविद्यालय मामले में एनएचआरसी सख्त

- यूजीसी चेयरमैन और मप्र उच्च शिक्षा प्रमुख सचिव को नोटिस

- एनएसयूआई की शिकायत पर आयोग की बड़ी कार्रवाई, 2 सप्ताह में मांगा जवाब

भ ो प ा ल (इ ए म ए स) । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) विश्वविद्यालय के प्रकरण में बड़ी कार्यवाही की है। आयोग ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नई दिल्ली के चेयरमैन एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है, कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्रकरण में अग्रिम विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। मध्यप्रदेश एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया की उनके द्वारा की गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मानव अधिकार आयोग ने प्रकरण दर्ज किया था। उनके द्वारा सीहोर जिले में संचालित वीआईटी भोपाल युनिवर्सिटी के द्वारा भ्रामक प्रस्तुतीकरण, छात्रों के अधिकारों एवं अन्य प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि विश्वविद्यालय द्वारा 卐भोपाल卐 नाम का उपयोग किए जाने से अन्य राज्यों के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों में भ्रम की स्थिति निर्मित होती है तथा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान भौगोलिक स्थिति को लेकर भ्रामक धारणा बनती है। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में व्यवस्थागत कमियों, मूलभूत सुविधाओं की स्थिति एवं पूर्व में सामने आए विवादों की भी शिकायत के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कथित अवैध क्लीनिक एवं अन्य अनियमितताओं के संबंध में भी पूर्व में विस्तृत शिकायतों को? भी आधार बनाया गया था। जिन पर अपेक्षित कठोर कार्यवाही अब तक नहीं हुई है। आयोग ने इन बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संवैधानिक एवं शासकीय प्राधिकारियों से जवाब तलब किया है। वहीं भोपाल एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने बताया कि पूर्व में छात्र-छात्राओं द्वारा व्यापक स्तर पर जंगी प्रदर्शन किया जा चुका है। उस दौरान परिसर में भारी आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई थी, जिसमें आगजनी, तोड़फोड़ जैसी गंभीर घटनाएं भी सामने आई थीं। छात्रों का आरोप था कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी, अव्यवस्थित प्रबंधन एवं शिकायतों पर समय पर कार्रवाई न किए जाने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। अक्षय तोमर ने आगे की कहा कि यह कार्रवाई छात्रहित एवं पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि संबंधित संस्थाओं द्वारा जवाबदेही से बचने का प्रयास किया गया तो एनएसयूआई प्रदेशव्यापी आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

मप्र में हर दूसरा व्यक्ति ले रहा मुफ्त का राशन

भोपाल। मप्र की आधे से ज्यादा आबादी मुफ्त का अनाज ले रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्तमान में 5,38,07,137 लोग मुफ्त राशन का लाभ उठा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि राज्य की कुल अनुमानित आबादी (लगभग 9 करोड़) के लिहाज से देखें तो करीब 60 प्रतिशत आबादी अपनी खाद्य सुरक्षा के लिए पूरी तरह सरकारी मदद पर निर्भर है । यानी राज्य का हर दूसरा और तीसरा व्यक्ति आज गरीब कल्याण योजना का हितग्राही है।

नीति आयोग की जनवरी 2024 में जारी भारत में बहुआयामी गरीबी (मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया) रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 9 सालों (2013-14 से 2022-23) के दौरान मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। एक तरफ जहां सरकार का दावा है कि 2.30 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, वहीं दूसरी तरफ 25 मार्च 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि एमपी के 5.38 करोड़ लोग आज भी मुफ्त राशन पर निर्भर हैं।

राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों को देखें तो पूरे देश में कुल 79,40,02,614 लोग इस योजना के दायरे में हैं। इस बड़ी संख्या में अकेले मध्य प्रदेश के लाभार्थियों की हिस्सेदारी 6.78 प्रतिशत है । उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के बाद मध्य प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है जहां मुफ्त राशन लेने वालों की तादाद सबसे ज्यादा है।

सरकार ने अब इस व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टीपीडीएस संशोधन आदेश 2025 के तहत अब हर 5 साल में ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा ।

रेप या गैंगरेप मेडिकल रिर्पोट आने पर होगा खुलासा

- बाग सेवनियां में छिंदवाड़ा की किशोरी से दुष्कर्म का मामला

भोपाल। बाग सेवनियां थाना इलाके में छिंदवाड़ा से आई 17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस को अब मेडिकल रिर्पोट का इंतेजार है। घटना 18 मार्च की बताई जा रही है। घटना के बाद नाबालिग अपने घर चली गई थी। वहां से लौटकर बाग सेवनियां थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। बताया गया है कि दुष्कर्म के समय नशे में होने के कारण पीड़िता नाबालिग घटना के बारे में ठीक से पुलिस को बता नहीं पा रही है। पुलिस असमंजस में है, कि उसके साथ रेप हुआ है, या फिर गैंगरेप। पुलिस अब मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मामले में पुलिस ने पीड़िता किशोरी के साथ में शराब पीने वाली दोनों सहेलियों और उनके दोस्तों पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस उस आरोपी की भी तलाश कर रही है, जिसने नाबालिग से नशे में शारीरिक संबंध बनाए। जानकारी के अनुसार नाबालिग छिंदवाड़ा जिले की रहने वाली है। उसकी उसकी बड़ी बहन की सहेली मोनिका इंदौरिया बाग सेवनियां इलाके में रहती है। मूलतः छिंदवाड़ा की रहने वाली मोनिका और उसकी सहेली रेणुका बुनकर भोपाल के विद्या नगर में किराए के फ्लैट में रहती हैं। मोनिका लंबे समय से पीड़िता से इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जुड़ी थी। दोनों की फोन पर भी बातचीत होती थी। नाबालिग को कॉलेज में एडमिशन कराना था। मोनिका ने उसे बायपास स्थित निजी कॉलेज में एडमिशन दिलाने की बात कही। साथ ही भोपाल में एक प्राइवेट नौकरी दिलाने का भी कहा। उसकी बात पर नाबालिग 18 मार्च को छिंदवाड़ा से भोपाल पहुंची। जहां मोनिका उसे अपने विद्यानगर स्थित फ्लैट पर ले गई और सहेली रेणुका से मिलवाया। इस दौरान पीड़िता नहाने गई, तो मोनिका ने अपने दोस्त निखिल सिंह और अतुल मेड़ेकर को फ्लैट पर बुला लिया। रात करीब 8 बजे दोनों आरोपी वहां पहुंचे। आरोप है की इसी बीच वहां मोनिका और रेणुका के दोस्त एक अन्य युवक के साथ पहुंचे। फ्लैट पर पार्टी रखी गई सभी ने शराब पी और नाबालिग के इंकार करने पर भी उसको जर्बदस्ती शराब पिलाई। नाबालिग का आरोप है, कि मोनिका, रेणुका ने उसके नशे की हालत में होने पर युवकों के हवाले कर दिया। आरोप है की युवतियो के दोस्त निखिल सिंह व अतुल मेड़कर के साथ पहुंचे एक अन्य युवक ने नशे में उसके साथ रात भर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मोनिका और रेणुका ने उनका सहयोग किया। अगली सुबह जब किशोरी का नशा उतरा तब वह रात की घटना के बाद डरी-सहमी होने के कारण उसी दिन वापस छिंदवाडा में अपने गांव चली गई थी।

मप्र के मंदसौर-बैतूल में बारिश, नीमच में गिरे ओले

भोपाल। मध्य प्रदेश में सोमवार को मौसम ने अचानक तेज रुख ले लिया है। बैतूल, मैहर, श्योपुर, मंदसौर और नीमच में तेज बारिश हो रही है, जबकि नीमच में ओले गिरे हैं। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन और धार में बादल छाए हुए हैं। यहां भी बारिश की संभावना बनी हुई है। यह सिस्टम अगले 3 से 4 दिनों तक सक्रिय रहेगा।

मौसम विभाग ने 6 जिलों में आंधी के साथ ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इनमें खंडवा, बैतूल, देवास, नीमच, श्योपुर और खरगोन शामिल हैं। वहीं 10 से ज्यादा जिलों में बारिश-आंधी का असर देखने को मिलेगा। इनमें छिंदवाड़ा, रतलाम, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा और अनूपपुर (अमरकंटक) में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मैहर में 15 मिनट तक तेज बारिश

मैहर जिले के साथ-साथ अमरपाटन और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। हल्की हवाओं के बाद मैहर में लगभग 15 मिनट तक तेज बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। अमरपाटन तहसील क्षेत्र में तेज बारिश का दौर अभी भी जारी है। इस अचानक हुई बारिश के कारण कई स्थानों पर लोग बचाव के लिए तिरपाल लगाते देखे गए। हालांकि, बारिश से कुछ समय के लिए जनजीवन प्रभावित हुआ, लेकिन मौसम सुहावना होने से लोगों ने राहत महसूस की। लंबे समय से पड़ रही गर्मी से परेशान स्थानीय निवासियों के लिए यह मौसम परिवर्तन बड़ी राहत लेकर आया है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी चार-पांच दिन इसी तरह के मौसम परिवर्तन की संभावना बनी हुई है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बदला मौसम

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन के सक्रिय होने से प्रदेश में मौसम में यह बदलाव आया है। रविवार को ग्वालियर समेत कई जिलों में बादल और हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई थी, जो इस सिस्टम के सक्रिय होने का संकेत था। यह सिस्टम 30 मार्च से प्रभावी होकर पूरे प्रदेश को प्रभावित कर रहा है और सागर, रीवा और शहडोल संभाग समेत अधिकांश इलाकों में 2 अप्रैल तक मौसम बदला रहेगा।

दिन में गर्मी से राहत मिलेगी

आंधी-बारिश का दौर रहने की वजह से दिन के तापमान में गिरावट होगी। वर्तमान में अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री या इससे अधिक है। रविवार को मंडला में पारा सबसे ज्यादा 39.8 डिग्री रहा। मंडला, नौगांव में 39 डिग्री, दतिया में 38.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.3 डिग्री, खरगोन-सतना में 38.2 डिग्री, खंडवा में 38.1 डिग्री, सिवनी, गुना-उमरिया में 38 डिग्री, टीकमगढ़ में 37.8 डिग्री, रतलाम-दमोह में 37.6 डिग्री, मलाजखंड में 37.5 डिग्री, रीवा, नरसिंहपुर-रायसेन में 37.4 डिग्री और छिंदवाड़ा में 37.2 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 37.5 डिग्री, भोपाल में 36.6 डिग्री, इंदौर में 35.8 डिग्री, ग्वालियर में 38.2 डिग्री और उज्जैन में पारा 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मार्च में चौथी बार बदला मौसम

मार्च में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो गई। पहले पखवाड़े में तेज गर्मी वाला मौसम रहा। दूसरे पखवाड़े में बारिश शुरू हो गई। एक दौर लगातार 4 दिन तक रहा। इस दौरान 45 से ज्यादा जिलों में आंधी-बारिश हुई। वहीं, 17 जिलों में ओले भी गिरे।

आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए, एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्या, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस - शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बैंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

रोहित ने आईपीएल में विराट का एक रिकार्ड तोड़ा

एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाये

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने . आईपीएल के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेली अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही विराट कोहली का एक बड़ा रिकार्ड भी तोड़ दिया। रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये। इसी के साथ ही रोहित ने टी20 में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मुंबई इंडियंस और डेक्कन चार्जस के लिए केकेआर के खिलाफ 36 आईपीएल मैचों में कुल 1161 रन बनाए हैं।

गौरतलब है कि अब तक विश्व का कोई भी बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में एक ही टीम के खिलाफ 1161 रनों से अधिक नहीं बना पाया है। वहीं विराट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 36 मैचों में कुल 1160 रन बनाए हैं। इससे अब विराट दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 36 मैचों में 1159 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 32 मैचों में 1154 रन बनाए हैं।

रोहित ने केकेआर के खिलाफ सभी 36 मैच आईपीएल में ही खेले हैं। मुंबई इंडियंस के लिए 30 आईपीएल मैचों में उन्होंने 1045 रन बनाए हैं। वहीं डेक्कन चार्जस के लिए केकेआर के खिलाफ छह आईपीएल मैचों में 116 रन बनाये हैं। कोहली ने सीएसके के खिलाफ 36 टी20 मैचों में 1160 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल में उनके खिलाफ 35 मैचों में 1146 रन बनाए हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए सीएसके के खिलाफ एक चैंपियंस लीग टी20 मैच भी खेला था, जिसमें 14 रन बनाए थे।

केकेआर के खिलाफ आईपीएल में 1161 रन बनाने के अलावा, रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी क्रिकेट लीग में 1057 रन बनाये हैं। मुंबई इंडियंस अपना दूसरा आईपीएल 2026 मैच शनिवार (4 अप्रैल) को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी, और उस मैच में रोहित के पास दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का अवसर रहेगा। अभी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे ज्यादा 1154 रन विराट ने बनाये हैं।

रोहित का 2.0 अवतार अन्य टीम के लिए चेतावनी - कुंबले

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल सत्र मे शुरुआत की है। उससे सभी टीमों को सतर्क हो जाना चाहिये। कुंबले के अनुसार मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित आगे और भी आक्रामक होंगे। रोहित ने अपनी टीम के शुरुआती मुकाबले में ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 38 गेंदों में ही 78 रन बना दिये। कुंबले के अनुसार रोहित का इस सत्र में ये 2.0 अवतार दिख रहा है। इससे अन्य सभी टीमों की परेशानी बढ़ जाएगी। रोहित ने अपनी 78 रनों की पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने इस दौरान अपना अर्धशतक केवल 23 गेंदों में पूरा किया, जो आईपीएल में उनका सबसे तेज अर्धशतक भी है। कुंबले ने कहा, रोहित अपने 2.0 अवतार में आ गए हैं और उनकी पारी से पता चलता है कि वह फिर से हावी होने के लिए तैयार हैं। जिस तरह से उन्होंने गेंद को मैदान के चारों ओर खेला, उसे देखकर मुझे उनका शुरुआती फार्म याद आ गया। सभी का पता है कि वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे गेंदबाजों के खिलाफ छक्के मारना आसान नहीं है पर वह आसानी से लगा रहे थे। रोहित ने इस दौरान ही अपना 50वां अर्धशतक भी लगाया। वह यह मुकाम हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। कुंबले ने कहा, रोहित ने अपनी फिटनेस पर बहुत काम किया है और जब आप छोटे ब्रेक के बाद वापस आते हैं, तो अपनी टाइमिंग वापस पाने और अपनी लय पाने में पांच से सात दिन लगते हैं। यह एक शानदार पारी थी, बिल्कुल वैसी ही जैसी हमने वानखेड़े में देखी थी, जहां वह पहली गेंद से ही गेंदबाजों पर हावी दिखे। वह आसानी से छक्के लगा रहे थे। बाउंड्री भले ही छोटी थीं, लेकिन उनके शॉट्स स्टैंड में जा रहे थे। यह पारी दिखाती है कि रोहित को सिर्फ अपने काम से मतलब है और उनका यह रूप सभी आईपीएल टीमों को चिंतित कर देगा रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन बना दिये और उनके सामने विरोधी टीम केकेआर के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई नजर आये।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई। दिग्गज पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं।

वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी।

वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है। उससे भी अमेरिका में क्रिकेट के प्रति आकर्षण बढ़ा है। ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इसी को देखते हुए भी क्रिकेट अमेरिका इस अवसर को भुनाना चाहता है। इसी को देखते हुए एलएलसी के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे खिलाड़ी का हमारे साथ जुड़ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग कितनी आगे बढ़ी है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। एमएलसी भारती की आईपीएल से भी जुड़ी है। इस लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक आईपीएल से जुड़े हैं। इसमें एमआई न्यूयॉर्क, मुम्बई इंडियंस , टेक्सास सुपर किंग्स ,सीएसके और एलए नाइट राइडर्स, केकेआर से जुड़ी है। एमएलसी का चौथा सत्र 18 जून से शुरू होगा। इसका खिताबी मुकाबला ऑकलैंड में 18 जुलाई को खेला जाएगा।

आईपीएल के इस सत्र में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं रिकेल्टन

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभी तक हुए मैचों में सबसे अधिक रनों के मामले में मुंबई इंडियंस के ओपनर रयान रिकेल्टन शीर्ष पर हैं। रिकेल्टन ने कोलकाता नाइट, राइडर्स के खिलाफ पहले ही मैच में 81 रन बनाये थे वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच खिलाड़ियों में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। सूची में तीसरे नंबर पर भारत के रोहित शर्मा हैं। रोहित ने केकेआर के खिलाफ मुकाबले में 78 रन बनाये थे। वहीं विराट ने एसआरएच के खिलाफ 69 रनों की पारी खेली थी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई के खिलाफ 67 रन बनाए थे और वह शीर्ष पांच में है। आईपीएल 2026 में 1 अप्रैल तक सभी टीमें एक-एक मैच खेल लेंगी। इसके बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के लिए संभावित सामने आयेंगे। वहीं 2 अप्रैल को केकेआर और सनराइजर्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच से खिलाड़ियों की दावेदारी ऑरेंज और पर्पल कैप के लिए पक्की होनी शुरु हो जाएगी।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए, गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो टीम को काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोप्पो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला।

फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम और संगीता कुमारी भी हैं। इस कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बेहतर बनाने, टीम संयोजन तैयार करने और रणनीतिक कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। टीम नए कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का इस साल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। टीम जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, इसके बाद अगस्त में महिला विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उतरेगी। यही कारण है कि इस कैंप का महत्व काफी अहम होगा।

कैंप के लिए भारतीय दल-

गोलकीपर- सविता, माधुरी किंडो, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी

डिफेंडर- निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास

मिडफील्डर- सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, इशिका

फॉरवर्ड- दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम, लालरेमसियामी, मुमताज खान, संगीता कुमारी।

सैम करन बोले, कोच मैकुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे। करन ने कहा, मुझे लगता है कि वह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो। इसके बाद मैंने वही किया और इससे मुझे टीम में वापसी का अवसर मिला। मैंने इस प्रकार सही दिशा में पहल की। गौरतलब है कि कि सैम इंग्लैंड की टी20 विश्व कप की टीम में भी शामिल थे। यहां उन्होंने नेपाल के खिलाफ टीम को जीत भी दिलाई थी। पिछले सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 3 बार सबसे अधिक रन बनाये हैं। करन चोटिल होने के कारण इस बार आईपीएल से बाहर हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर नाराजगी जतायी

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है।

सीए का कहना है कि टेस्ट सत्र से उसे अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर कामकाज के बोझ को कम करना होता है। यही कारण है कि ग्रीन को उसने आईपीएल में गेंदबाजी की अनुमति नहीं है पर ये बात केकेआर को पहले ही बता दी गयी थी।सीए के एक अधिकारीन ने कहा कि कैमरन को कमर के निचले हिस्से में चोट लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। गौरतलब है कि केकेआर को आंद्रे रसेल का विकल्प चाहिए था और उसने इसी कारण ग्रीन को शामिल किया पर पहले ही मैच में वह असफल रहे और 10 गेंदों में 18 रन बही बना पाये। वहीं उन्होंने गेंदबाजी करने से इंकार दिया। वहीं मैच के बाद रहाणे ने उम्मीद जताई कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे और संयोजन थोड़ा अलग होगा।

अभी विराट और बेहतर प्रदर्शन करेंगे - रायुडू

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने विराट कोहली के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी उनका और भी बेहतर प्रदर्शन आईपीएल में देखने को मिलेगा। रायुडू के अनुसार जिस प्रकार विराट ने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे पता चलता है कि इस बार वह और भी बेहतर लय में हैं। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 38 गेंदों पर ही नाबाद 69 रन बना दिये। उनकी इस पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के थे। इससे आरसीबी 15.2 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंची। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, पूरी पारी के दौरान विराट की बल्लेबाजी बेहतर होती गयी। इससे तय है कि जैसे-जैसे वह और जमेंगे हमें उनकी और अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी। शुरुआत में वह कुछ परेशान पर समय के साथ उन्होंने लय हासिल कर ली। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हमने जो देखा है, वह तो बस एक ट्रेलर है। फिटनेस उनके लिए कभी कोई मुद्दा नहीं रही। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी शारीरिक फिटनेस, गेंद पर देर से पहुंचने, या मैदान पर धीमे पड़ने को लेकर कभी कोई परेशानी होगी। एकमात्र चीज़ जो उन्हें पीछे धकेल सकती है, वह है उनकी मानसिक स्थिति। मुझे नहीं लगता कि उनका करियर खत्म होने के करीब भी है। मुझे अभी भी उनमें पांच से छह साल का बेहतरीन खेल बाकी दिखता है। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट में अब तक के सबसे बेहतरीन टेस्ट कप्तान रहे हैं, जिन्हें कम से कम मैंने तो देखा है। उन्हें वापसी करनी चाहिए; जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उनका बाहर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए एक नुकसान है,55 उन्होंने आगे कहा। अगर आप उन्हें कप्तानी सौंपते हैं, तो यह उनके लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा होगी। मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना उनके लिए एक शानदार चुनौती होगी। वह इतने फिट हैं कि मुझे नहीं लगता कि फिटनेस कोई चिंता का विषय हो सकता है। वहीं आरसीबी के पूर्व हेड कोच संजय बांगर के अनुसार, विराट की धीमी शुरुआत एक रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, अगर उनके आसपास के बल्लेबाज अपना काम तेजी से कर रहे हैं तो जरूरी नहीं कि उन्हें तुरंत आक्रामक होना पड़े क्योंकि वह किसी भी समय अपना स्ट्राइक रेट बढ़ा सकते हैं। जब जरूरत हो, वह आसानी से बाउंड्री या छक्के लगा सकते हैं।55ऐसे में जब देवदत्त पडिक्कल आउट हुए और कप्तान रजत पाटीदार क्रीज पर आए, तो उन्होंने बीच के ओवरों में ही अपनी रणनीति बदलते हुए स्पिनर्स के खिलाफ 12 गेंदों पर ही 31 रन बना दिये थे। इसके बाद पारी के अंतिम हिस्से में कोहली ने तेजी से 33 गेंदों पर अर्धशतक पूरा करने के बाद 38 गेंदों पर 69 रन बना दिये। अंतिम पांच गेंदों में 19 रन बनाकर उन्होंने पूरे सत्र के लिए अपनी इरादे जता दिये।

पीएसएल नियमों को तोड़कर अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर फंसे शाहीन और रजा

लाहौर । पाकिस्तान में प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और ऑलराउंडर सिकंदर रजा पर अपने चार साथियों को बिना अनुमति होटल में ले जाने का आरोप लगा है। शाहीन और रजा के इस कदम को सुरक्षा प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन मानते हुए अधिकारियों ने जांच शुरु कर दी है। इस मामले मे एक डिप्टी पुलिस इंस्पेक्टर ने पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में शाहीन और रजा पर शनिवार रात चार मेहमानों को जबरन एक खिलाड़ी के होटल रूम में ले जाने की शिकायत की गयी है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि पीसीबी ने पहले ही कलंदर्स की उस मांग को खारिज कर दिया था,

जिसमें रजा के जानने वाले चार लोगों को उनके होटल रूम में जाने की अनुमति मांगी गई थी। पत्र में कहा गया, 55इस अनुरोध को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद कलंदर्स के मालिक समीन राणा ने नसीर से इसकी अनुमति मांगी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इस अनुरोध को भी ठुकरा दिया गया।

इस पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों को नहीं मानते हुए शाहीन और रज़ा ने चार मेहमानों को जबरन होटल रूम तक पहुंचाया। वहीं कलंदर्स के मीडिया प्रमुख उमर फारूक ने कहा कि वह इस मामले में पीएसएल के संपर्क में हैं। उमर ने कहा, 55हमें लाहौर कलंदर्स के दो खिलाड़ियों से जुड़े एक मामले की जानकारी है और हम इस पर पीएसएल के साथ संपर्क में हैं 55 पुलिस के पत्र में घटना की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की अपील की गई है।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

लाहौर। पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हड़कंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है। इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है। फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं।

इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। इसी दौरान जब कप्तान शाहीन अंतिम ओवर फेंकने आए तब हारिस और फखर योजना बना रहे थे। इस दौरान एक खिलाड़ी पानी भी लेकर आया। इससे ऐसा लग रहा था कि वे अंतिम ओवर में मैच में हार से बचने की योजना बना रहे थे पर वास्तव में उनकी नजरें गेंद से छेड़छाड़ पर लगीं थीं। अंपायरों ने आसानी से इसे पकड़ा और मैच में ही 5 रन की पेनल्टी लाहौर की टीम पर लगा दी।

मिडिल ईस्ट में ईरान, हिजबुल्लाह, हुतियों की जुगलबंदी ने ट्रंप के सामने खड़ी की खतरनाक चुनौती...

अप्रैल में 6वीं जंग हार सकता है अमेरिका!

तेहरान/तेलअवीव/वाशिंगटन। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध अब धीरे-धीरे एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप लेता दिख रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब ईरान समर्थित एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस के तीन प्रमुख घटक हिजबुल्लाह, हूती विद्रोही और ईरान एक साथ सक्रिय हो गए। इन तीनों की जुगलबंदी अमेरिका के लिए खतरनाक चुनौती बन गई है। वहीं अमेरिका के लिए अप्रैल फैक्टर भी भारी पडऩे वाला है। क्योंकि अभी तक अमेरिका अप्रैल में पांच जंग हार चुका है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल में 6वीं जंग भी अमेरिका हार सकता है!

फरवरी के आखिर में अमेरिका ने ईरान जंग की शुरुआत की थी। पूरे मार्च महीने तक चलने के बाद अब यह जंग अप्रैल में प्रवेश करने जा रही है। वही अप्रैल, जो जंग के लिहाज से अमेरिका के लिए इतिहास में घातक साबित हुआ है। दुनिया में जब-जब अमेरिका को मात मिली है, तब-तब महीना अप्रैल का ही रहा है। ऐसे में आने वाले अप्रैल के 30 दिन को जंग के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

जब अमेरिका के लिए घातक साबित हुआ अप्रैल

अमेरिका और जापान

1941 में पर्ल हार्बर पर हमले के बाद अमेरिका और जापान में भिड़ंत हो गई। दोनों की सेना इसी दौरान फिलिपींस में आमने-सामने आ गई। इसी दौरान अप्रैल 1942 में बाटान द्वीप के पास जापान ने अमेरिकी सैनिकों को घेर कर मार डाला। इस जंग में 9 हजार अमेरिकी और फिलिपींस सैनिकों की मौत हुई। हजारों अमेरिकी सैनिकों ने जापान के सामने सरेंडर कर दिया। पूरी दुनिया में इससे अमेरिका की भद पिटी।

अमेरिका-वियतनाम

1960 आते-आते वियतनाम में अमेरिकी सैनिकों ने तांडव शुरू कर दिया। वियतनाम के तत्कालीन नेता हो चिन्ह मीन्ह ने अमेरिका का खुलकर विरोध किया, जिसके बाद वियतनाम के लोग अमेरिकी सैनिकों के साथ गोरिल्ला लड़ाई शुरू की। अप्रैल 1975 अमेरिका के लिए अपशकुन साबित हुआ। इसी महीने में अमेरिका को वियतनाम में पटखनी मिली। दरअसल, अप्रैल 1975 की शुरुआत में ही पूरी दुनिया में अमेरिका की छवि खराब होने लगी। उस पर अत्याचारी शासन का लेबल चिपकने लगा। अप्रैल 1975 के अंत में अमेरिका ने वियतनाम से बोरिया-बिस्तर समेट लिया। अमेरिका के जाने के बाद वियतनाम का मर्जर हो गया। वियतनाम युद्ध को इतिहास में अमेरिका की सबसे बड़ी हार मानी जाती है। इस युद्ध में अमेरिका के 58 हजार से ज्यादा सैनिक मारे गए।

अमेरिका-क्यूबा

20 अप्रैल 1961 को क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की सरकार गिराने के लिए अमेरिकी सैनिकों ने दक्षिण तट पर एक लड़ाई लड़ी, जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। फिदेल कास्त्रो को अमेरिका का सबसे बड़े दुश्मन कहा जाता था। कास्त्रो ने गोरिल्ला तरीके से अमेरिकी सैनिकों को पटखनी दे दी। इस युद्ध में अमेरिका को काफी ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा।

अमेरिका-ईरान

पहेलवी की सरकार गिरने के बाद ईरान ने अमेरिकी दूतावास के 53 कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इन कर्मचारियों को छुड़ाने के लिए अमेरिका ने साल 1980 में एक ऑपरेशन की शुरुआत की। इस ऑपरेशन का नाम ईगल-क्लॉ रखा गया। इसमें हेलिकॉप्टर से अमेरिकी सैनिकों को ईरान में जाना था और वहां से सभी को वापस लाना था। प्लान के तहत जैसे ही अमेरिकी सैनिक उतरे। वहां पर धूल की आंधी चल पड़ी। अमेरिकी सैनिकों का हेलिकॉप्टर फंस गया, जिसके कारण उसके 8 सैनिक मारे गए। यह घटना भी अप्रैल महीने में ही घटी थी।

अमेरिका-अफगानिस्तान

अप्रैल 2021 में अमेरिका ने अलल-ऐलान किया कि अब वो अफगानिस्तान में युद्ध नहीं लड़ेगा। 2001 में अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के नाम पर अफगानिस्तान में ऑपरेशन की शुरुआत की थी। अमेरिका का इस ऐलान ने पूरी दुनिया को चौंका दिया, क्योंकि पहली बार अमेरिका ने यह माना कि सैन्य बूते से तालिबान पर कंट्रोल नहीं किया जा सकता है।अफगानिस्तान युद्ध में अमेरिका के करीब 2400 सैनिक मारे गए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता- वर्तमान एवं भविष्य की नवाचार संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा दिनांक 30 मार्च 2026 को कृत्रिम बुद्धिमत्ता- वर्तमान एवं भविष्य की नवाचार संभावनाएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, एआई कोर्स के नोडल अधिकारी डॉ. विनोद आड़े तथा कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. सी. एम. चौरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. मराठे ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ढ्ढ मानव बुद्धि की क्षमताओं को मशीनों के माध्यम से विकसित करने की प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि आज ढ्ढ केवल कंप्यूटर साइंस तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, बैंकिंग एवं अनुसंधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने ढ्ढ को वर्तमान समय की सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बताया।

वेबिनार के प्रथम मुख्य वक्ता श्री कौस्तुभ जुमले (रिसर्च एसोसिएट, एमिटी यूनिवर्सिटी, राजस्थान) ने शोध के क्षेत्र में ढ्ढ के उपयोग एवं प्रभावी क्क्रश्वद्वश्चह्ल ष्ठद्गह्यद्बद्दठ्ठ के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही तरीके से ढ्ढ टूल्स का उपयोग शोध कार्य को अधिक तेज, सटीक एवं प्रभावी बना सकता है। द्वितीय मुख्य वक्ता डॉ. मुनेश ठाकरे (एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, बालाघाट) ने ढ्ढ और कोडिंग के व्यावहारिक उपयोग को लाइव उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ढ्ढ और प्रोग्रामिंग का समन्वय जटिल समस्याओं के समाधान को सरल और तीव्र बनाता है तथा नवाचार के नए अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एन.एम. कुरेशी, डॉ. सुप्रिया बिसेन, प्रो. अतुल मेश्राम, प्रो. रविशंकर मडावे, प्रो. द्विकल यादव सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वेबिनार का सफल संचालन डॉ. सुप्रिया बिसेन द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रो. अतुल मेश्राम ने व्यक्त किया। इस वेबिनार ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीकों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सब जूनियर नेशनल हॉकी प्रतियोगिता के लिये बालघाट से कुणाल का किया गया चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगरी क्षेत्र के बुढ़ी निवासी कुणाल कावरे का सब जुनियर नेशनल हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। जिले से कुणाल का ही चयन इस प्रतियोगिता के लिये हुआ है जो जिले के लिये गर्व की बात है। इस संबंध में चयनित खिलाड़ी कुणाल कावरे ने बताया कि सब जुनियर नेशनल प्रतियोगिता जो 1 से 12 अप्रैल तक राजघर बिहार में आयोजित है। इस प्रतियोगिता के लिए जो चयन के लिये ट्रायल हुआ था उसमें मेरे बेहतर खेल प्रदर्शन को देखते हुये चयन किया गया है। आज भोपाल कैम्प के लिए रवाना हो रहा हूं। इस चयन के लिये कुणाल ने नेहरू स्पोटिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष विजय वर्मा, राजेश सेवईवार, सत्यम बरडे व सत्यम वर्मा सहित अन्य का आभार जताया है।

ढीमरटोला दुर्गा मंदिर में आयोजित भंडारे में, सैकड़ों श्रद्धालुजन हुए शामिल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 1 ढीमर टोला दुर्गा मंदिर में सोमवार की शाम विशाल भंडारा का आयोजन किया गया।जहा मातारानी की पूजा अर्चना व आरती कर भंडारा प्रारंभ किया गया। इस संबंध में पूर्व पार्षद अनिल सोनी ने बताया कि हर वर्ष चैत्र नवरात्रि में भंडारा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी नवरात्रि समापन के बाद ढीमरटोला में भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुजनों ने शामिल होकर भंडारा ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सभी वार्डवासियों का सहयोग रहा है।

बहू अपने सास-ससुर के भरण-पोषण के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं- इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज,। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पारिवारिक कानूनों और सामाजिक दायित्वों की व्याख्या करते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125, जिसे अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के रूप में जाना जाता है, के तहत एक बहू पर अपने सास-ससुर का भरण-पोषण करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि भरण-पोषण का दावा करना एक वैधानिक अधिकार है और यह कानून में निर्दिष्ट व्यक्तियों की श्रेणियों तक ही सीमित है, जिसमें सास-ससुर को शामिल नहीं किया गया है।

यह फैसला एक बुजुर्ग दंपति द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए आया। इस दंपति ने आगरा की एक फैमिली कोर्ट के अगस्त 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी बहू से भरण-पोषण की मांग करने वाले आवेदन को नामंजूर कर दिया गया था। बुजुर्ग दंपति का तर्क था कि वे अनपढ़, गरीब और पूरी तरह अपने स्वर्गीय बेटे पर निर्भर थे। उन्होंने दलील दी थी कि उनकी बहू उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है और उसके पास पर्याप्त स्वतंत्र आय के साथ-साथ अपने पति की मृत्यु के बाद मिली सभी वित्तीय सुविधाएं भी मौजूद हैं। दंपति ने जोर दिया था कि बहू का अपने बुजुर्ग सास-ससुर के प्रति नैतिक दायित्व एक कानूनी दायित्व

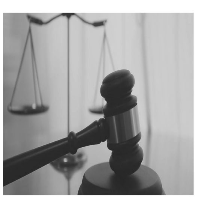

के रूप में माना जाना चाहिए। हालांकि, हाई कोर्ट ने इन तर्कों को वैधानिक आधार पर खारिज कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी नैतिक कर्तव्य, चाहे वह सामाजिक रूप से कितना भी अनिवार्य क्यों न प्रतीत हो, तब तक कानूनी रूप से लागू नहीं किया जा सकता जब तक कि कानून में उसके लिए स्पष्ट प्रावधान न हो। जस्टिस मदन पाल सिंह ने टिप्पणी की, विधायिका ने अपने विवेक से सास-ससुर को इन प्रावधानों के दायरे में शामिल नहीं किया है। इसका अर्थ यह है कि कानून की मंशा बहू पर ऐसा कोई वित्तीय बोझ डालने की नहीं रही है।

इसके साथ ही, अदालत ने संपत्ति के उत्तराधिकार से जुड़ी दलीलों पर भी स्थिति साफ की। कोर्ट ने कहा कि स्वर्गीय बेटे की संपत्ति या नौकरी से जुड़े उत्तराधिकार के मामले भरण-पोषण की संक्षिप्त कार्यवाही के दायरे में नहीं आते हैं। रिकॉर्ड की जांच के बाद कोर्ट ने यह भी पाया कि बहू को पुलिस की नौकरी अनुकंपा के आधार पर मिली थी, ऐसा कोई प्रमाण मौजूद नहीं है। इस फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पारिवारिक विवादों में नैतिकता और कानून दो अलग-अलग पहलू हैं, और अदालतें केवल उन्हीं दायित्वों को लागू कर सकती हैं जो लिखित संविधान और कानून द्वारा प्रदत्त हैं। यह निर्णय भविष्य में इस तरह के अन्य पारिवारिक दावों के लिए एक नजीर साबित होगा।

आगामी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए राजनीतिक परीक्षा, साख दांव पर

नई दिल्ली। आगामी दिनों में देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा होंगे। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में पार्टी की रणनीति और प्रदर्शन पर उसकी भविष्य की राजनीतिक दिशा निर्भर करेगी। पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच माना जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को चुनौती देने के लिए बीजेपी 5फीसदी वोट स्विंग पर नजर रखे हुए है।

विश्लेषकों के मुताबिक यदि बीजेपी टीएमसी के वोट बैंक में मामूली सेंध लगाने में सफल रहती है, तो वह राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है। वहीं असम में बीजेपी हैट्रिक की कोशिश में है, लेकिन यहां 34फीसदी मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यदि यह वोट बैंक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच बंटा, तो बीजेपी को लाभ मिल सकता है, जबकि एकजुटता की स्थिति में मुकाबला कड़ा हो जाएगा।

वहीं दक्षिण भारत में तमिलनाडु में बीजेपी क्षेत्रीय दलों के दबदबे के बीच अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रही है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का वर्चस्व है। बीजेपी का फोकस खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करने पर है। वहीं केरल में पार्टी के लिए चुनौती और भी बड़ी है, जहां पारंपरिक रूप से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच सत्ता का मुकाबला होता रहा है। बीजेपी यहां अपने वोट शेयर और सीटें बढ़ाकर 'किंगमेकर' की भूमिका में आने की रणनीति बना रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन सरकार को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। यहां क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर पार्टी दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का संदेश देना चाहती है। कुल मिलाकर इन चुनावों में बीजेपी के लिए केवल जीत-हार ही नहीं, बल्कि नए क्षेत्रों में विस्तार, गठबंधन राजनीति और वोट बैंक को मजबूत करने की चुनौती है। अब देखना है कि यह चुनाव बीजेपी को किस मुकाम पर पहुंचाते हैं।

डीजीसीए का डंडा...हर उड़ान में करीब 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के दें

नई दिल्ली। सिविल एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने नया सर्कुलर जारी किया है, इसके तहत देश की सभी एयरलाइन कंपनियों को 20 अप्रैल 2026 से हर उड़ान में करीब 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के उपलब्ध करने का आदेश दिया है। इसका उद्देश्य एयर यात्रा को और अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और किफायती बनाना है।

डीजीसीए ने 20 मार्च 2026 को संशोधित एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर जारी किया है, जो 20 अप्रैल 2026 से लागू होगा। सर्कुलर के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं देश की हर एयरलाइन उड़ान में न्यूनतम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त उपलब्ध कराएगी। एयरलाइनों को अपनी सीट आवंटन नीति पूरी तरह पारदर्शी बनानी होगी। बुकिंग वेबसाइट या एप पर मुफ्त सीटों की उपलब्धता और शर्तों को स्पष्ट रूप से दिखाना होगा है। एक ही पीएनआर में बुक किए गए यात्रियों को संभव हो तो एक साथ बैठाया जाए।

वर्तमान में अधिकतर एयरलाइंस केवल करीब 20 प्रतिशत सीटें ही बिना अतिरिक्त शुल्क के देती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए यात्रियों को 200 से 2,100 तक अतिरिक्त भुगतान करना होता है। ये शुल्क सीट की स्थिति जैसे फॉरवर्ड सीट, एक्स्ट्रा लेगरूम, विंडो सीट आदि पर आधारित होते हैं। यात्रियों की शिकायतें और विरोध के बढ़ने पर डीजीसीए ने फैसला किया कि सभी यात्रियों को समान अवसर और स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए।

सर्कुलर में एयरलाइंस को निर्देश दिए गए हैं कि स्पोर्ट्स गियर, म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स या अन्य वैकल्पिक सेवाओं के सभी शुल्क पूरी स्पष्टता के साथ वेबसाइट और बुकिंग प्लेटफॉर्म पर दिखाना होगा। यात्रियों को संभावित नुकसान या जिम्मेदारी के मामलों में एयरलाइंस की जिम्मेदारियों की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। यह निर्देश जारी होने के 30 दिनों के भीतर लागू हो जाएगा।

हालांकि यह नियम यात्रियों के हित में है, एयरलाइंस कंपनियां ने इसका कड़ा विरोध किया है। इन एयरलाइंस का कहना है अगर 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त करनी पड़ें, तब राजस्व में गिरावट आएगी। इस घाटे की भरपाई के लिए टिकट किराया बढ़ाना पड़ेगा।

हमें एक रहना चाहिए लेकिन बीजेपी के लोग देश में फैला रहे गलतफहमी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर चिंता जताते हुए बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमें एक रहना चाहिए लेकिन बीजेपी के लोग देश में गलतफहमी फैला रहे हैं। प्रियंका गांधी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर केंद्र सरकार से स्पष्ट रणनीति पेश करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में लोगों की जान खतरे में है, क्योंकि लगातार बमबारी हो रही है। ऐसे में सरकार को यह बताना चाहिए कि प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए क्या योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका गांधी ने कहा कि युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है। इस मामले में पूरा देश एकजुट है और सभी की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। उन्होंने साफ किया कि एकजुटता का मतलब यह नहीं है कि समस्याओं पर सवाल न उठाए जाएं। संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए, ताकि सभी दल मिलकर समाधान खोज सकें। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ रहा है, संकट भी गहराता जा रहा है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वह समय रहते ठोस कदम उठाए और देश को भरोसा दिलाए कि हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विपक्ष की ओर से चर्चा की मांग को एक सकारात्मक पहल बताया। प्रियंका गांधी ने देश के भीतर बढ़ती महंगाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अब गैस सिलेंडर खरीदना कठिन होता जा रहा है, जिसका सीधा असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की कि महंगाई जैसे मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार किया जाए और ठोस नीतियां बनाई जाएं। प्रियंका ने कहा कि संसद में खुली चर्चा से न केवल समस्याओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है बल्कि सभी पक्षों के सुझावों से प्रभावी समाधान भी निकाला जा सकता है।

असम चुनाव के लिए बीजेपी अपना घोषणापत्र जारी करेगी, समान नागरिक संहिता का मुद्दा भी शामिल रहेगा

नई दिल्ली । असम चुनाव के लिए मंगलवार को बीजेपी अपना घोषणापत्र जारी करेगी। इस घोषणापत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा भी शामिल रहेगा। घोषणापत्र से पहले सीएम हिमंता ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि इसमें यूसीसीभी होगा। उन्होंने कहा कि असम को खतरा मुक्त बनाना है और विकास में आगे ले जाना है। वहीं जुबिन गर्ग को लेकर कांग्रेस की गारंटी पर हिमंता ने कहा कि जुबिन गर्ग को राजनीति में लाना गुनाह है और कांग्रेस को इसका प्रायश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना काम कर दिया है और मामला अदालत में है। अदालत को कोई डेडलाइन नहीं दे सकता। वहीं, गौरव गोगोई के हमलों पर पलटवार करते हुए हिमंता ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान और इंग्लैंड में अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे जेल भेजने के लिए गौरव गोगोई को सात जन्म लेना होगा। गौरव गोगोई अमूल बेबी हैं। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को चुनाव है। नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। असम में इस बार एक ही चरण में चुनाव हो रहे हैं। 2021 के चुनाव में असम में एनडीए ने 75 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी।

डीमैट खातों को डी-फ्रीज करने का अधिकार एनसीएलटी के पास...बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को झटका

नई दिल्ली। क्या किसी कंपनी के डीमैट अकाउंट फ्रीज होने से उसकी दिवालिया प्रक्रिया रुक सकती है? इस बात पर अब तस्वीर साफ हो चुकी है। देश के कॉर्पोरेट कानून ढांचे में एक महत्वपूर्ण फैसले में, राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की दलीलों को खारिज कर स्पष्ट कर दिया हैं कि दिवालिया प्रक्रिया के दौरान डीमैट खातों को डी-फ्रीज करने का अधिकार एनसीएलटी के पास है।

यह विवाद दो कंपनियों फ्यूचर कॉर्पोरेट रिसोर्सेज और लिज ट्रेडर्स एंड एजेंट्स से जुड़ा था। इन कंपनियों के डीमैट अकाउंट्स को बीएसई ने फ्रीज किया था। इसकी वजह थी सालाना लिस्टिंग फीस का भुगतान न करना, एलओडीआर नियमों का उल्लंघन और जुर्माने की बकाया राशि।

जब ये कंपनियां दिवालिया प्रक्रिया (सीआईआरपी) से गुजर रही थीं, तब उनके रेजोल्यूशन प्रोफेशनल्स और लिक्विडेटर्स ने एनसीएलटी में अपील की। उनका मकसद था कि डीमैट अकाउंट डी-फ्रीज किए जाएं, ताकि उसमें मौजूद शेयर बेचकर कर्जदाताओं को भुगतान कर सके।

मुंबई स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने अलग-अलग आदेशों में बीएसई को इन अकाउंट्स को डी-फ्रीज करने का निर्देश दिया था। बीएसई ने इन फैसलों को चुनौती देकर अपील दायर की।

इसके बाद अपीलीय अधिकरण ने साफ कहा कि एनसीएलटी ने अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर रहकर ही आदेश दिए हैं। अधिकरण के अनुसार, डीमैट अकाउंट डी-फ्रीज करने का मुद्दा सीधे तौर पर दिवालिया प्रक्रिया से जुड़ा है, इसलिए इस सुनने का अधिकार एनसीएलटी के पास है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद...दुनिया के कई देशों की तेल और गैस से भरी टंकी होने लगीं खत्म

नई दिल्ली। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के हमलों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद है। इसकी वजह से मिडिल ईस्ट का तेल बाकी दुनिया में नहीं जा रहा है। हालात इसतरह के हैं कि तमाम देशों को घटते तेल स्टॉक का असर महसूस हो रहा है। प्रमुख अमेरिकी वित्तीय संस्था जेपी मॉर्गन ने पिछले हफ्ते जारी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे यह झटका पश्चिम की ओर बढ़ेगा, एशिया पर इसका असर सबसे पहले पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार अगला नंबर अमेरिका और यूरोप का होगा। आमतौर पर, फारस की खाड़ी से तेल का शिपमेंट 10 से 20 दिनों में एशिया पहुंचता है। करीब 20 से 35 दिनों में यूरोप और अफ्रीका और फिर आखिर में करीब 35 से 45 दिनों के बाद अमेरिका पहुंचते हैं। मॉर्गन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम की ओर बढ़ रही सप्लाई में रुकावट की वजह से एशिया को सबसे पहले दबाव महसूस होगा। आखिरी तेल टैंकर 28 फरवरी को स्ट्रेट से निकला था और युद्ध से पहले ये आखिरी शिपमेंट ज्यादातर खत्म हो चुके हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया पर खास तौर पर बुरा असर पड़ेगा। इस इलाके में तेल एक्सपोर्ट में महीने-दर-महीने 41 फीसदी की गिरावट का जिक्र कर रिपोर्ट में कहा गया, फ्रतेल से संबंधित मुख्य चुनौती कीमत से फिजिकल कमी में बदल गई है। दक्षिण पूर्व एशिया के बाद स्थिति से अफ्रीका प्रभावित होगा, जिसका असर अप्रैल की शुरुआत तक और बढ़ जाएगा, हालांकि यह लोकल स्टॉक लेवल और देश में आयात किए गए तेल पर कितने आश्रित हैं, इस पर निर्भर करता है। मॉर्गन ने कहा कि तनाव के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं। केन्या में रिटेल लेवल पर फ्यूल की कमी हो रही है, जबकि तंजानिया के पास अभी काफी स्टॉक है। यूरोप पर इसका असर अप्रैल के बीच तक महसूस होने की संभावना है, हालांकि उसके पास मजबूत इन्वेंट्री बफर और अल्टरनेटिव अटलांटिक बेसिन सप्लाई का फायदा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को सबसे आखिर में झटका लगेगा, क्योंकि उसका घरेलू प्रोडक्शन काफी है। इसलिए शायद उस शॉर्ट-टर्म फिजिकल शॉर्टेज महसूस नहीं होगी, हालांकि कैलिफोर्निया सप्लाई की चुनौतियों के लिए खास तौर पर कमजोर है और देश को ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ेगा।

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल नहर पुलिया के पिल्लर से टकराई- मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी में मोटरसाइकिल नहर पुलिया के पिल्लर से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति अनिल पिता श्यामलाल आमाडारे 37 वर्ष ग्राम भटेरा

बालाघाट निवासी घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है 29 मार्च को अनिल आमाडारे अपने गांव के पप्पू धुर्वे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम टेकाड़ी (नगझर) गए थे। दोनों रात में टेकाड़ी में रुके थे। 30 मार्च 12 बजे करीब अनिल आमाडारे मोटरसाइकिल में ग्राम टेकाड़ी से अपने गांव भटेरा आने निकला था। तभी ग्राम कटंगझरी के पास गोलाई में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल नहर पुलिया के पिल्लर से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार अनिल आमाडारे का दाहिना पैर घुटने के नीचे से फैक्चर हो गया और उसे अंदरूनी चोंटे भी आई। घायल अनिल आमाडारे को वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जाना है।

महंगाई और पेट्रोल-डीजल संकट को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

गैस, बिजली दरों में वृद्धि के विरोध में पुतला दहन कर जताया आक्रोश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर के आसमान छूते दाम, बिजली दरों में लगातार वृद्धि तथा पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ तीखी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर विरोध जताया और आम जनता से जुड़ी समस्याओं को लेकर सरकार को घेरा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आमजन का जीवन यापन कठिन होता जा रहा है। बालाघाट विधायक अनुभा मुजारे ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज आम जनता महंगाई की मार से बुरी तरह त्रस्त है, लेकिन सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर के दामों में लगातार हो रही वृद्धि ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है और रसोई चलाना तक मुश्किल हो गया है।

गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति को लेकर बन रही स्थिति के बीच कांग्रेस ने सोमवार को शहर में प्रदर्शन किया। प्रदेश संगठन के आव्हान पर शहर के हनुमान चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में पुतला दहन कर आक्रोश जताया। यह प्रदर्शन विधायक अनुभा मुंजारे और शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से रैली के रूप में पुतला लेकर निकले और नारेबाजी करते हुए हनुमान चौक पहुंचे, जहां पुतला दहन किया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ छोटे और बड़े व्यापारी भी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर जनता को गुमराह कर रहे हैं, जबकि जमीनी स्थिति अलग है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले समय में उर्वरक की भी कमी हो सकती है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान नीतियों के कारण देश की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, कोरोना काल और अब ईंधन संकट जैसी स्थितियों ने आम जनता को सड़कों पर ला दिया है। उन्होंने इसे राजनीतिक मुद्दा न बताते हुए जनहित से जुड़ा विषय बताया और कहा कि महंगाई से हर वर्ग प्रभावित है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव का असर पेट्रोलियम आपूर्ति पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने किसी भी प्रकार की कमी से इनकार किया है, लेकिन कांग्रेस का आरोप है कि वास्तविक स्थिति को छुपाया जा रहा है और आम जनता को सही जानकारी नहीं दी जा रही। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांग की कि महंगाई पर नियंत्रण के साथ-साथ गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

ग्राम भंडार कुआं में एक शख्स ने मचाया उधम

एक युवक से की मारपीट तो महिला से मारपीट कर मंगलसूत्र तोड़कर फेंका

घायल युवक जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में

आने वाले ग्राम भंडार कुआं में एक शख्स ने उधम मचाते हुए एक युवक को मारपीट और दांत से काटकर घायल कर दिया गया। वहीं बचाव करने आई एक महिला ने इस शख्स पर उसे मारपीट कर गले से मंगलसूत्र तोड़ने का आरोप लगाई। मारपीट और दांत से काटने से घायल युवक रामकिशोर पिता चुन्नीलाल मड़ावी 30 वर्ष ग्राम भंडारकुआं निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामकिशोर ग्राम रट्टा के रामचंद्र दमाहे के घर ट्रैक्टर ड्राइवर है। शुक्रवार की रात में भंडार कुआं में जयसिंह कुड़पे के घर शादी थी। रात्रि में रामकिशोर अपने परिवार के साथ शादी में गया हुआ था रात कभी 12:00 बजे इसी ग्राम का एक व्यक्ति प्रकाश परते किसी को मारने के लिए अपने गांव के सावनलाल मड़ावी की खेत बाड़ी में लगे टट्टे को उखाड़ रहा था। सावनलाल के मना करने पर प्रकाश उसे ही गालियां देते हुए मारपीट कर रहा था इसी समय रामकिशोर शादी से लौट रहा था। जिसने प्रकाश की इस हरकत को देखा और वह बीच बचाव करने के लिए गया तभी प्रकाश ने उसे हाथ भुसो से मारपीट कर खेत में पटक दिया और उसके वोट को दांत से काट दिया। तब सावनलाल की बेटी संजू उइके रामकिशोर को बचाने दौड़ी तब प्रकाश ने उसे भी मारपीट कर उसके गले का मंगलसूत्र तोड़ कर कही फेक दिया। बीच बचाव करने आए अन्य लोगों से भी प्रकाश ने मारपीट की और जान से मार डालने की धमकी दे दी। घटना की सूचना मिलते ही डायल112 मौके पर पहुंची तब प्रकाश वहा से अपराध हो गया। डायल 112 से घायल रामकिशोर को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने रामकिशोर का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

चमन टेलर गली में घर में लगी आग, समय रहते पाया गया काबू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड क्रमांक 19 स्थित चमन टेलर गली में सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान में अचानक आग लग गई। घटना मनोहर नामक व्यक्ति के घर में हुई, जहां समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घर के भीतर रखे गद्दे पर इलेक्ट्रिक प्रेस रखी हुई थी। इसी दौरान अचानक प्रेस से धुआं निकलने लगा। घर के एक सदस्य ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए उस पर पानी डाल दिया और स्थिति सामान्य समझकर नीचे चला गया। लेकिन कुछ ही देर बाद गद्दे के भीतर सुलग रही आग ने विकराल रूप ले लिया और तेजी से पूरे हिस्से में फैलने लगी। आग लगने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। इसी बीच नगर पालिका की दमकल टीम को

सूचना दी गई, जिसके बाद दमकल वाहन तुरंत मौके पर पहुंचा और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। इस दौरान डायल 112 की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को व्यवस्थित करने में सहयोग किया। दमकल कर्मियों की तत्परता और स्थानीय लोगों की सजगता के कारण आग को समय रहते बुझा लिया गया, जिससे आसपास के अन्य मकानों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या इलेक्ट्रिक प्रेस में आई तकनीकी खराबी माना जा रहा है। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात है। हालांकि घर में रखे कुछ सामान को आग से नुकसान पहुंचा है। स्थानीय नागरिकों ने दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह आग आसपास के मकानों तक फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

चार लोगों ने एक महिला से की मारपीट : दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम देवगांव में एक महिला को उसके पड़ोसी दो महिला सहित चार लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिये और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना आंगन में सुख रही उड़द दाल को गाय द्वारा खाने के विवाद को लेकर हुई। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में दो महिला सहित पांच लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशल बागडे 38 वर्ष घरेलू काम धंधा करती है ।जिसका पति तुकाराम बागडे नागपुर मजदूरी करने के लिए गया है। कौशल अपने घर में दो बच्चों के साथ रहती है। 28 मार्च को कौशल ने अपने घर के सामने आंगन में उड़द दाल को सुखाने के लिए रखी थी। इस उड़द दाल को उसके पड़ोसी राजकुमार परसमोड़े की गाय खा गई थी। इसी बात को लेकर कौशल पड़ोसी राजकुमार के घर जाकर बोली थी कि तुम्हारी गाय ने उड़द दाल खा गई है। इसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। 29 मार्च के सुबह 7:00 बजे जब कौशल पानी के लिए नल पर गई थी और पानी भर रही थी। इसी समय राजकुमार नल के पास आया और वह कौशल को अश्लील गालियां देते उसे नाली में धकेल दिया। जिसके बाद राजकुमार के परिवार के लोग द्वारका, तासु और रोशनी आये और इन लोगों ने कौशल को लकड़ी और हाथ भूसे से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी देदी। मारपीट में कौशल घायल हो चुकी थी और वह रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस इस महिला का इलाज मुलाहिजा अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजकुमार सहित चार लोगों के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मधुमक्खियों का हमला, झूले लगा रहे 5 मजदूर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। जब मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में मेले के लिए झूले लगाने आए चार मजदूर घायल हो गए।

जिनमे एक मजदूर को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल से आयोजित होने वाले मेले की तैयारियां मैदान में जोरों पर चल रही थीं। नागपुर के ठेकेदार वहीद सेठ के माध्यम से छिंदवाड़ा और नागपुर से आए मजदूर पिछले दो दिनों से वहीं रुककर झूले लगाने का कार्य कर रहे थे। 30 मार्च को सुबह भी सभी मजदूर अपने काम में लगे हुए थे।तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा।हमले के बाद मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। मधुमक्खियों के डंक से चार मजदूर घायल हो गए।जबकि एक मजदूर की हालत अधिक बिगड़ने पर उसे तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में भर्ती मजदूर बबलू यदुवंशी पिता रतन यदुवंशी 24 ग्राम पोनाखेरी जिला छिंदवाड़ा निवासी बताया गया है।अन्य घायल मजदूरों को नागपुर भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। जिला अस्पताल में भर्ती बबलू यदुवंशी का इलाज जारी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट